केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 72 शुक्रवार 4 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

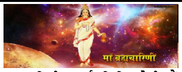

ब्रह्मचारिणीः सर्व सिद्धि देती हैं मां दुर्गा की दूसरी शक्ति...

दधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

मां दुर्गा की नवशक्ति का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहां ब्रह्म का अर्थ तपस्या से है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है।

ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए हैं।

पूर्वजन्म में इस देवी ने हिमालय के घर पुत्री रूप में जन्म लिया था और नारदजी के उपदेश से भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। इस कठिन तपस्या के कारण इन्हें तपश्चारिणी अर्थात्‌ ब्रह्मचारिणी नाम से अभिहित किया गया। एक हजार वर्ष तक इन्होंने केवल फल–फूल खाकर बिताए और सौ वर्षों तक केवल जमीन पर रहकर शाक पर निर्वाह किया।

कुछ दिनों तक कठिन उपवास रखे और खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के घोर कष्ट सहे। तीन हजार वर्षों तक टूटे हुए बिल्व पत्र खाए और भगवान शंकर की आराधना करती रहीं। इसके बाद तो उन्होंने सूखे बिल्व पत्र खाना भी छोड़ दिए। कई हजार वर्षों तक निर्जल और निराहार रह कर तपस्या करती रहीं। पत्तों को खाना छोड़ देने के कारण ही इनका नाम अपर्णा नाम पड़ गया।

कठिन तपस्या के कारण देवी का शरीर एकदम क्षीण हो गया। देवता, ऋषि, सिद्धगण, मुनि सभी ने ब्रह्मचारिणी की तपस्या को अभूतपूर्व पुण्य कृत्य बताया, सराहना की और कहा– हे देवी आज तक किसी ने इस तरह की कठोर तपस्या नहीं की। यह तुम्हीं से ही संभव थी। तुम्हारी मनोकामना परिपूर्ण होगी और भगवान चंद्रमौलि शिवजी तुम्हें पति रूप में प्राप्त होंगे।

एक नजर

महारानी दुर्गावती की जयन्ती पर शोभा यात्रा 5 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल भारतवर्षीय गोंड महासभा द्वारा वीरांगना महारानी दुर्गावती की जयन्ती अवसर पर 5 अक्टूबर शनिवार को जिला अस्पताल चौराहे से जिलाधिकारी कार्यालय तक शोभा यात्रा निकाली जायेगी। यह जानकारी देते हुये आयोजक पूर्व जिलाध्यक्ष रामलला गोड़ ने बताया कि शोभा यात्रा के बाद जिलाधिकारी को जाति प्रमाण–पत्र निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में ज्ञापन सौंपा जायेगा।

पूर्व जिलाध्यक्ष रामलला गोड़ ने बताया कि शोभा यात्रा में गोंड समाज के लोग बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे।

गौशाला का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस. द्वारा ग्राम मेढ़ौवा में स्थित गौशाला का निरीक्षण किया गया। गौशाला में कुल 33 पशु पाये गये। गौशाला में गोसेवकों के भुगतान की स्थिति भी पता की गयी। माह जुलाई तक का भुगतान होना बताया गया। निर्देश दिया गया कि शेष भुगतान यथाशीघ्र कर दिया जाए। चारे आदि की स्थिति ठीक पायी गयी। खण्ड विकास अधिकारी, कप्तानगंज को निर्देशित किया गया कि पशुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत गौशाला को पेड़ की तरफ और बड़ा बनवाया जाय।

उन्होने ग्राम पंचायत मेढ़ौवा, ब्लाक कप्तानगंज में ऐठीडीह खपड़ही पिच मार्ग से मानिक चन्द्र के घर से राजेश तिवारी के घर तक बनी इण्टरलाकिंग सड़क व कालिका तिवारी के खेत से राजकुमार के घार तक बनी इण्टरलाकिंग सड़क का निरीक्षण किया। माप पुस्तिका से स्थल पर माप भी करवा कर परीक्षण किया गया।

वैवाहिक बलात्कार को नहीं बना सकते अपराध

नई दिल्ली (आभा)। वैवाहिक बलात्कार के मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया है। इसमें सरकार ने कहा है कि वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि इसके लिए अन्य 'दंडात्मक उपाय' पहले से ही मौजूद हैं। केंद्र ने अपने हलफनामे में ये भी कहा कि वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करना सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। केंद्र ने कहा है कि यह मामला कानूनी से ज्यादा सामाजिक है। इसका समाज पर सीधा प्रभाव पड़ेगा।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष तर्क दिया कि विवाह के भीतर बलात्कार के कठोर दंड प्रावधानों को लागू करने से विवाह नाम की संस्थाओं पर गंभीर सामाजिक–कानूनी प्रभाव पड़ सकते हैं। हालांकि, सरकार ने स्वीकार किया कि किसी भी पति के पास अपनी पत्नी की सहमति का उल्लंघन करने का कोई "मौलिक अधिकार" नहीं है। इसके साथ ही सरकार ने ये भी कहा कि अगर अजनबियों से जुड़े बलात्कार के दंड प्रावधान और कानून को पति के खिलाफ लागू किया जाता है तो इन कानूनों का इस्तेमाल वैवाहिक और सामाजिक ढांचे को बर्बाद कर सकता है।

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 375 के अपवाद 2 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में सरकार की तरफ से ये हलफनामा सौंपा गया है। आईपीसी की धारा 375 का अपवाद 2 पतियों को बलात्कार के उन मामले में मुकदमा चलाने से छूट देता है, जिसमें पीडिता उनकी पत्नी हैं।

नवोदय विद्यालय में कथक कार्यशाला शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पी.एम. श्री जवाहर नवोदय विद्यालय रूधौली में एक माह का शिक्षा में कला कथक कार्यशाला का आयोजन किया गया है। प्रधानाचार्य अमिता सक्सेना ने बताया कि भात खण्डे संगीत विद्यापीठ लखनऊ से कथक विशारद प्रशिक्षक मास्टर शिव और सह प्रशिक्षक आंशी वर्मा और शालिनी कारूष द्वारा प्रशिक्षण का आरम्भ किया गया।

प्रधानाचार्य अमिता सक्सेना ने बताया कि इस कार्यशाला को लेकर विद्यालय के छात्र–छात्राओं में विशेष उत्साह है। इससे वे कत्थक के विविध स्वरूपों से परिचित होंगे और उनके भीतर कला, संस्कृति को समझने का अवसर मिलेगा।

पी.एम. श्री जवाहर नवोदय विद्यालय रूधौली में कार्यशाला में उद्‌घाटन अवसर पर आर.के. शर्मा, संगीत प्रशिक्षक साक्षी मिश्रा, मीनम पाण्डेय, सुनीता देवी, अरूणेन्द्र प्रताप सिंह, आर.सी. यादव, शाम्भवी सिंह, कमलेश के साथ ही छात्र उपस्थित रहे।

सुरक्षा पखवाडा में हुई वाहनों की जांच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्टेक होल्डर विभागों के सहयोग से 2 से 16 अक्टूबर तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के दूसरे दिन गुरूवार को समस्त व्यवसायिक वाहनों/ ट्रैक्टर ट्रालियों के पीछे रेट्रो–रिफलेक्टिव टेप का न लगा होना या मानक के अनुरूप न लगा होना तथा बैक लाईट/फॉग लाइट का मानक के अनुरूप न लगे होने वाले वाहनों के विरूद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही सम्पादित करते हुए ऐसे वाहनों का चालान किया गया।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी एवं प्रवर्तन स्टाफ द्वारा जनपद के प्रमुख चौराहे क्रमशः बडेवन चौराहा, पटेल चौराहा, पालीटेक्निक चौराहा, इत्यादि स्थानों पर सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु पैम्फलेट/लीफलेट का वितरण किया गया एवं कार्यालय में फिटनेस हेतु प्रस्तुत की गई वाहनों पर मानक के अनुरूप रेट्रो–रिफलेक्टिव टेप की जॉच कराते हुए सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) बस्ती संजय कुमार दास द्वारा वाहनों का फिटनेस किया गया। अभियान में फरीदउद्दीन, पंकज सिंह, संजय कुमार दास, के साथ ही परिवहन कार्यालय के कर्मचारी शामिल रहे।

देवी मंदिरों पर उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शक्ति उपासना के महापर्व शारदीय नवरात्र के पहले दिन देवी मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। आस्था के बीच श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना की। जयकारे के साथ सुबह से ही घंट–घड़ियाल के बीच श्रद्धालु पूजा–अर्चना में जुटे रहे। नौ दिनों तक जिले में दुर्गा पाठ के साथ ही उल्लास और श्रद्धा के बीच नौ देवियों की पूजा होगी। पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा–अर्चना कर मां से जीवन और परिवार में खुशहाली मांगी। रेलवे स्टेशन काली मंदिर, आवास विकास काली माता मंदिर, डारीडीहा दुर्गा मंदिर, बैडवा समय माता मंदिर, केडीसी स्थित दुर्गा मंदिर पर सुबह से श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

कपूर, अगरबत्ती, धूप बत्ती, चंदन, रोली अर्पित कर मां की पूजा की। वहीं देवी पंडालों में दुर्गा प्रतिमाओं के स्थापित करने का सिलसिला रात से ही शुरू हो गया था।

समूहों को दे रहे हैं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सामाजिक संस्था ह्यूमैनिटी एनवायरनमेंट एंड एंपावर्ड लाइफ सोसाइटी द्वारा श्योर चेंज कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय पोषण माह जागरूकता अभियान हेतु विकास खंड साऊंघाट के बटेला ग्राम पंचायत में सामुदायिक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में उपस्थित स्वयं सहायता समूह और गांव की महिलाओं को पोषण संबंधी जानकारी प्रदान की गई । विशेषकर भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही पोषण योजनाओं की विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की गई । पोषण मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों स्तरों पर व्यवहार परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करता है।

पोषण जागरूकता में पांच प्रमुख विषयों पर जोर दिया जा रहा है जिसमें – एनीमिया, विकास निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढाई,एक पेड़ मां के नाम और बेहतर प्रशासन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग।

इस कार्यक्रम में श्योर चेंज प्रोग्राम सपोर्ट टीम के कार्यकर्ता, श्योर चेंज कार्यक्रम की सलाहकार समुदाय विशेषज्ञ श्रीमती सुमन मिश्रा, एसोसिएशन एलायंस फॉर सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी एंड एडवोकेसी (।ैत।) के अध्यक्ष अनिल कुमार लाल, हील सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अरुणेश त्रिपाठी तथासमूह सखी निर्मला देवी बुककीपर मालती देवी,जरीना खातून,सावित्री देवी,गीता देवी,लक्ष्मी देवी,सुनीता,गीता देवी,ज्योति,निर्मला, गुड़िया,सुशीलाऔर गांव की सम्मानित महिलाएं उपस्थित रही और योगदान दिया।

पुण्यतिथि पर याद किये गये पूर्वांचल के मालवीय पंडित सूर्य नारायण चतुर्वेदी : शैक्षणिक योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्वांचल के मालवीय कहे जाने वाले स्वर्गीय पंडित सूर्य नारायण चतुर्वेदी को उनके छठवी पुण्य तिथि पर संकल्पों के साथ याद किया गया। गुरूवार को राजन इंटरनेशनल एकेडमी में निदेशक एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख राकेश चतुर्वेदी, प्रबन्ध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने पंडित सूर्य नारायण चतुर्वेदी के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

एकेडमी के कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय ने कहा कि महुली स्थित एक निजी विद्यालय मे अध्यापन कार्य करने वाले पं सूर्य नारायण चतुर्वेदी ने जब समाज के पिछड़ेपन को भीतर से महसूस किया तो शिक्षा का अभाव सबसे बड़ा कारण बन कर उभरा। अपने पैतृक गांव के पास बाबा पर्वत नाथ इण्टर कालेज की स्थापना करके अपने खून पसीने से इस शैक्षणिक पौध को वट वृक्ष बनाने का संकल्प लिया। उनकी कर्तव्यनिष्ठा, जुनून और शिक्षा की इस ज्योति को मशाल बनाने के हौसले ने पूर्वांचल मे एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया कि समाज मे उन्हे पूर्वांचल के मालवीय की उपाधि मिलने लगी। उच्च शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा, आधुनिक शिक्षा

के मिश्रण की ऐसी दीप श्रृंखला तैयार हुई जो चारो तरफ खुद ब खुद उजाला बिखेर गई। मृदुभाषी, मुस्कुराते चेहरे के इस व्यक्तित्व की झलक आज उनके बेटो मे झलकती है।

प्रधानाचार्य सानू एन्टोनी ने कहा कि इच्छाशक्ति, कर्तव्यनिष्ठा की बदौलत पूर्वांचल में अपनी अलग पहचान बनाने वाले महान योद्धा पंडित सूर्य नारायण चतुर्वेदी ने बड़े ही खामोशी के साथ 2018 को दुनिया को अलविदा कह दिये और समाज को नई दिशा देने के लिए मजबूत आधारशिला छोड़ गये। इस आधारशिला को तैयार करने के लिए उनके द्वारा किये गये संघर्ष में एक बड़ी दास्तान छिपी हुई है। पं. चतुर्वेदी कभी पीछे मुड़कर नही देखा और लगभग संतकबीरनगर जिले में तीन दर्जन से अधिक उच्च शिक्षण संस्थान उनके द्वारा स्थापित किये गये जिसमें बी.ए., बी.काम., बी.एस.सी., एम.ए., एम. काम., एम.एस.सी., बी.एड., बी. पी.एड., बी.टी.सी., एम.एड. आदि पाठक्रमो की पढ़ाई हो रही है जिससे जिले के ही नहीं बल्कि पूरे पूर्वांचल के युवा लाभान्वित हो रहे है। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र यदुवंशी जीत ने किया।

पंडित सूर्य नारायण चतुर्वेदी की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में सुमन दूबे, रेखा श्रीवास्तव, पूनम गुप्ता, प्रमिला शुक्ला, श्वेता त्रिपाठी, नीलम श्रीवास्तव, निशु उपाध्याय, शालिनी श्रीवास्तव,अन्नू, सुष्मिता मन्ना, सुष्मिता पाण्डेय, नेहा अबरोल, आकृति पाण्डेय, सौम्या पाण्डेय,जानवी शुक्ला, दीपांजलि, रीना पाण्डेय, नैन्सी वर्मा, आकृति साहू, आकृति पाण्डेय,तहजीब फातिमा, अर्चना पटेल,अर्चना द्विवेदी, रूपा जायसवाल, सुषमा गुप्ता, हर्षिका शुक्ला, फातिमा सिद्दीकी, रजनी श्रीवास्तव, फरहत फातिमा, शहनाज यूनुस, नलिनी गुप्ता, ज्योति पाण्डेय, माया सिंह, मनीषा गुप्ता, प्रभा त्रिपाठी, श्रद्धा पाण्डेय, शालिनी श्रीवास्तव, कोमल गुप्ता, आशीष कसौधन, प्रेरणा सिंह, प्रभात त्रिपाठी, साक्षी मिश्रा, दीपाली वर्मा, माया शुक्ला, सिमरन गुप्ता, शालिनी श्रीवास्तव, अभिरामी, वेदिका गुप्ता, शिक्षा बरनवाल, रिया दुबे, खदीजा परवीन, अंजलि चौरसिया, अमित मिश्रा, राम स्वरूप यादव, सौरभ पाण्डेय, अनूप पाण्डेय, रचित गुप्ता, मनजीत सिंह, संजय तिवारी, मोहम्मद सारिक, कुशाग्र मिश्रा, दीप कमल सिंह, गोपाल सिंह, किरण के विस्टन, ज्वैल थॉमस,शिवांश उपाध्याय, शुभम पटेल, रवि प्रकाश तिवारी, अभिषेक कुमार धर्मेंद्र तिवारी, गौतम प्रकाश, विकास कुमार चतुर्वेदी अभय कुमार पाण्डेय सहित अनेक शिक्षक शिक्षिकाएं और छात्र मौजूद रहे। कार्यक्रम के आरम्भ में उपस्थित लोगों ने पंडित सूर्य नारायण चतुर्वेदी के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें नमन् किया। नवरात्रि के प्रथम दिन शिक्षक, शिक्षिकाओं को फलाहार कराया गया।

हरियाणा में थमा चुनाव प्रचार, मतदान 5 को

चण्डीगढ (आभा)। हरियाणा में चुनाव प्रचार खत्म हो गया है। 5 अक्टूबर को 90 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में हैं। वहीं, कांग्रेस को एक दशक के लंबे अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की उम्मीद है। हरियाणा में 90 सीट हैं जहां एक ही चरण में वोट डाले जाएंगे। हरियाणा की सभी 90 सीटों पर मतदान 5 अक्टूबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। 8 अक्टूबर को चुनावी नतीजे आएंगे। हरियाणा में 8,821 शतकवीरों सहित दो करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। चुनाव प्रचार समाप्त होने से कुछ घंटे पहले, प्रमुख दलों भाजपा, कांग्रेस, आप, इनेलो–बसपा और जजपा–आजाद समाज पार्टी ने मतदाताओं को आकर्षित करने का प्रयास किए।

योगेश शुक्ल अध्यक्ष, हरेन्द्र प्रताप सिंह मंत्री निर्वाचित

–उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के पदाधिकारी घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद की जनपदीय इकाई की एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक राजकीय इण्टर कालेज के सभाकक्ष में आयोजित की गयी। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन की नई कार्यकारिणी गठित की गई।

जनपद के प्रधानाचार्यों ने सर्वसम्मति से श्रीकृष्ण पाण्डेय इंटर कॉलेज बस्ती के प्रधानाचार्य योगेश कुमार शुक्ल को अध्यक्ष तथा विवेकानंद इंटर कॉलेज बस्ती के प्रधानाचार्य डा हरेन्द्र प्रताप सिंह को मंत्री निर्वाचित किया गया ।साथ ही झिनकू लाल इंटर कॉलेज कलवारी के प्रधानाचार्य आज्ञाराम चौधरी को कार्यकारी अध्यक्ष,उदय प्रताप इंटर कालेज के प्रधानाचार्य विद्याधर वर्मा कोषाध्यक्ष, बिहरा के पूर्व प्रधानाचार्य वरिष्ठ शिक्षक नेता मार्कण्डेय सिंह, बाल्मीकि इंटर कालेज विक्रमजोत के प्रधानाचार्य डा घनश्याम श्रीवास्तव ,कृषक उमा विद्यालय डारीडीहा के प्रधानाचार्य डा संजय सिंह संरक्षक बनाए गए। विजय प्रताप महसो के प्रधानाचार्य डा विनोद राय आडिटर तथा उपाध्यक्ष पद पर किसान इंटर कॉलेज परशुरामपुर के डा बृजेश कुमार पासवान,इंटर कॉलेज रायठ के प्रधानाचार्य डा मनोज कुमार सिंह,जनता इंटर कालेज बांदी के प्रधानाचार्य डा के०डी०द्विवेदी,शिवहर्ष किसान बस्ती के प्रधानाचार्य मनोज सिंह, श्रीमती कृष्ण कुमारी पाण्डेय इं कालेज की प्रधानाचार्या डा सुरभि सिंह, कुरियार के प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र कुमार चुने गए। पिपरा गौतम इंटर कालेज के प्रधानाचार्य रामप्रीत यादव संगठन मंत्री और जनता शिक्षा निकेतन के प्रधानाचार्य चन्द्रमा कौशिक पाण्डेय संरक्षण मंत्री बनाए गए ।आर्य कन्या इंटर कालेज बस्ती की प्रधानाचार्या श्रीमती माया,देशराज नारंग इका वाल्टरगंज के प्रधानाचार्य डा प्रमोद कुमार उपाध्याय, गुरु शरण पाल इंका गायघाट के सर्वेन्द्र नारायण द्विवेदी,इं कालेज मुसहा के प्रधानाचार्य कृष्ण विजय यादव, बनकटी के प्रधानाचार्य विजया कुमार संयुक्त मंत्री बनाए गए। इं कालेज गौसपुर के प्रधानाचार्य डा दिनेश कुमार वर्मा,औद्योगिक विकास इं कालेज के प्रधानाचार्य सतीश रंजन सिंह संघर्ष समिति के लिए चुने गए। दिलेश्वरी इंटर कॉलेज रुधौली के प्रधानाचार्य अरुण कुमार मिश्र, किसान इंटर कालेज भानपुर के प्रधानाचार्य डा०अनिल राय,कृषक गौर के प्रधानाचार्य अरविन्द त्रिपाठी, इंटर कालेज मझौवा जगत के प्रधानाचार्य डा चक्रपाणि पाठक, गनेशपुर के प्रधानाचार्य डा देवेन्द्र नाथ मिश्र, एमपीवीपी हरैया की प्रधानाचार्या श्रीमती स्मृति मेहता,भिरिया रितुराज के प्रधानाचार्य राम भवन जनपदीय कार्यकारिणी के सदस्य बनाए गए।

बैठक में प्रधानाचार्य हरीराम बंसल,संजय कुमार द्विवेदी,विनोद वर्मा,महेश सिंह,विजय शंकर सिंह,आलोक कन्नौजिया, विजय सेन सिंह,अनिल यादव,अशोक पाण्डेय, राजित राम वर्मा, लालजी द्विवेदी,सुनील पाण्डेय,धनंजय कुमार,करूणेश कुमार,रामनिवास, सुधीर कुमार,प्रदीप वर्मा प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह, आशुतोष मिश्रा सहित अधिकांश प्रधानाचार्यों ने भागीदारी निभाई।

बापू–शास्त्री जयन्ती पर जरूरतमंदों में किया वस्त्र, खाद्य सामग्री, दवाओं का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयन्ती अवसर पर रेडक्रास सोसायटी के जिला सचिव कुलवेन्द्र सिंह के सयोजन में हथियागढ स्थित कुष्ठ आश्रम में अनेक आयोजन किये गये। जिलाधिकारी रवीश कुमार के दिशा निर्देश के अनुरूप बापू– शास्त्री के योगदान पर चर्चा के साथ ही कुष्ठ रोगियों और जरूरतमंदों में वस्त्र, खाद्य सामग्री, आवश्यक वस्तुओं और दवाईयों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये रेडक्रास सोसायटी के जिला सचिव कुलवेन्द्र सिंह ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पहल का परिणाम रहा कि कुष्ठ रोग पर लगभग नियंत्रण पा लिया गया है। इसके बावजूद रेडक्रास और सहयोगी संस्थाओं के साथ ही रोटरी क्लब मिड टाउन, इनरव्हील और मारवाडी महिला समिति आदि द्वारा जरूरत

मंदों का सहयोग किया जाता है। डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि जन सहयोग से अनेक समस्याओं का हल ढूढा जा सकता है। रेडक्रास की भूमिका सदैव अग्रणी रही है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से रेडक्रास के डा. अनिल कुमार श्रीवास्तव, एल. के. पाण्डेय, अब्दुल हलीम, अरूण भानीरामका, किशन गोयल, अभिषेक सिंह, शालिनी भानीरामका, डा. राकेश, विष्णु प्रसाद भट्‌ट, श्याम नरायन चौधरी, रंजीत श्रीवास्तव, प्रमोद चौधरी, राजेश ओझा, अफजल हुसेन, रोटरी क्लब बस्ती मिड टाउन अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, देवेन्द्र श्रीवास्तव, मयंक श्रीवास्तव, इनरव्हील अध्यक्ष श्रीमती कला अग्रवाल, मारवाडी महिला समिति अध्यक्ष नीतू गाडिया, कृष्णा गोयल, कुष्ठ आश्रम के प्रभारी रामदास यादव, कार्यक्रम संयोजक कौशल कुमार त्रिपाठी आदि ने योगदान दिया।

ब्रेनो ब्रेन ट्रेनिंग के विजेता छात्र पुरस्कृत सेकेन्डों में गणना करके दिखायी दक्षता

-प्रशिक्षण से बदल रहा है हजारों बच्चों का जीवन-अनुराग खेतान
-बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों में क्षमतावान बनाना प्रशिक्षण का लक्ष्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ब्रेनो ब्रेन किड्ज एकेडमी ट्रेनिंग प्रोगाम के सफल प्रतिभागियों को मालवीय रोड स्थित एक मैरेज हाल में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया। डायरेक्टर अनुराग खेतान ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि मस्तिष्क के समग्र विकास, बच्चों में लेफ्ट, राइट ब्रेन के विकास के साथ ही उन्हें सक्रिय बनाये रखने के साथ अन्य कला सिखाई जाती है। इस प्रशिक्षण से हजारों बच्चों का जीवन बदल रहा है और वे सेकन्डों में गणितीय गणना आदि में सक्षम हो जाते हैं। छात्रों ने अपने प्रदर्शन से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

लेबल इण्टर स्कूल कम्पटीशन प्रतियोगिता में सेन्टजोसेफ के 707, डेल्ही स्कूल ऑफ एक्सीलेंस से 370, सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल से 356, राजन इण्टर नेशनल एकेडमी से 100, एस.आई.एस. से 146, सेन्ट फ्रांसिंस से 17 विद्यार्थियों के साथ ही रामबाग विद्या मंदिर, जागरण पब्लिक स्कूल, प्रेक्सिस विद्या पीठ से कुल 1371 छात्रों ने हिस्सा लिया। सेन्टजोसेफ जनपद में प्रथम और देश में पांचवे स्थान पर रहा। डेल्ही एक्सीलेंस ऑफ स्कूल जनपद में द्वितीय और देश में 41 वे और सेठ एम.आर. जयपुरिया जनपद में तीसरे स्थान और पर रहा। प्रथम पुरस्कार के रूप में सेन्ट जोसेफ के आरूष अग्रवाल को 10 हजार का चेक, ट्राफी, सम्मान पत्र, इसी कड़ी में किसलय पाण्डेय, को चार हजार, अद्वित गुप्ता तीन हजार, पार्थ सिंह दो हजार, अनाया मिश्रा 1500, श्रद्धा चौधरी दो हजार, यर्थाथ श्रीवास्तव 1500, अक्षज कुमार दो हजार, डेल्ही स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के संस्कार मिश्र तीन हजार, समृद्धि चौधरी दो हजार, सेठ एम.आर. जयपुरिया के अंकित यादव को 6 हजार, मानस मिश्र 1500, आर.एल.एस.एम. के तेजस मौर्या को 1500 का चेक, सम्मान पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

कोआर्डिनेटर गरिमा बरनवाल और अनूप सिंह ने ब्रेनो ब्रेन ट्रेनिंग प्रकिया की विस्तार से जानकी देते हुये बताया कि किस प्रकार छात्रों का समग्र विकास किया जाता है जिससे वे जीवन के क्षेत्र में दक्ष बने। विश्व के विभिन्न देशों के 1300 केन्द्रों के 5 लाख छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। डायरेक्टर भावेश और नीलम मिश्र ने ब्रेनो ब्रेन ट्रेनिंग प्रोगाम के अनेक पहलुओं की विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि किस प्रकार से छात्र इससे दक्ष बन रहे हैं।

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, अभिभावक और छात्र उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 अक्टूबर 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

बीच बहस में बुल्डोजर

शीर्ष अदालत ने एक उस विवादास्पद मुद्दे पर स्पष्ट राय देश के सामने रखी है जिसकी तार्किकता को लेकर पिछले कई वर्षों से बार–बार सवाल उठ रहे थे। यानी कुछ राज्य सरकारों के बुलडोजरी न्याय को लेकर। खासकर भाजपा शासित राज्यों में गंभीर अपराधों व अनधिकृत कब्जों के खिलाफ पीला पंजा चलता देखा गया। जाहिरा तौर पर इस तरह की कार्रवाई न्याय की कसौटी पर खरी नहीं उतरती है। सवाल यह भी है कि जब तक किसी व्यक्ति पर सिर्फ आरोप ही लगे हैं, तो उसका घर कैसे गिराया जा सकता है? इस विवादास्पद कार्यशैली को लेकर दाखिल याचिकाओं की सुनवाई के दौरान देश की शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणियां की हैं। अदालत का मानना था कि भले ही कोई व्यक्ति किसी संगीन मामले में दोषी हो तो भी बिना न्यायिक प्रक्रिया पूरी किए ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इसके मायने अवैध निर्माण को संरक्षण देना कदापि नहीं है। दरअसल, इस मामले में केंद्र व राज्य सरकारों की तरफ से दलील दी जाती रही है कि जिन मामलों में यह कार्रवाई की गई वे गैरकानूनी कब्जे कर किए गए अनधिकृत निर्माण थे। निस्संदेह, ये दलीलें मामले में जरूरी प्रक्रिया को न अपनाये जाने के चलते न्याय के अनुरूप नहीं ठहराई जा सकती हैं। दरअसल, हाल के वर्षों में कई बार देखने में आया कि कुख्यात अपराधियों,हत्यारों व बलात्कारियों के घर जमींदोज कर दिए गए। सतही तौर पर कहा जाता रहा है कि ऐसे अपराधियों में शासन–प्रशासन का भय होना चाहिए। लेकिन इस कार्रवाई को व्यापक अर्थों में देखें तो यह न तो कानून की कसौटी पर खरा उतरती है और ना ही इसे मानवीय दृष्टि से सही कहा जा सकता है। यही वजह है कि गाहे–बगाहे राजनीतिक पार्टियों और सामाजिक संगठनों द्वारा ऐसी कार्रवाई को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। निश्चय ही किसी सभ्य समाज में ऐसे सवालों का उठना लाजिमी है।

सर्वोच्च न्यायालय के उस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया था कि किसी मामले में आरोप लगने के बाद ऐसी कार्रवाई कानून सम्मत नहीं है। लेकिन ऐसी कार्रवाई तब भी नहीं की जानी चाहिए जब उसका अपराध साबित हो गया हो। निस्संदेह, घर एक पारिवारिक इकाई का नाम है। एक घर को बनाने में एक व्यक्ति की पूरी उम्र लग जाती है। फिर परिवार के तमाम सदस्यों का भी तो वह घर होता है। उनको अपराधी या आरोपी व्यक्ति के कृत्यों के चलते बेघर तो नहीं ही किया जा सकता। यह न केवल कानून के विरुद्ध है बल्कि अमानवीय कदम भी है। जिनका किसी अपराध से लेना–देना न हो, उन्हें दंडित करना अन्याय ही तो है। फिर यदि किसी व्यक्ति के घर पर आरोपों के चलते बुलडोजर चला दिया गया हो और वही व्यक्ति कालांतर आरोपमुक्त हो जाए, तो ध्वस्त घर बनाने की जिम्मेदारी किसकी होगी? शासन–प्रशासन के अधिकारियों को अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के बजाय विवेक व न्यायसंगत तरीके से कोई निर्णय लेना चाहिए। निस्संदेह, अतिक्रमण का संकट देशव्यापी है, जिसे धर्म–जाति से परे कानून की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। बल्कि तमाम तरह के अतिक्रमणों को बढ़ावा देने में राजनेताओं की बड़ी भूमिका होती है। कालांतर वोट बैंक बनाने के लिये वे इन अवैध निर्माणों को वैध बनाने की कोशिश में जुट जाते हैं। बहरहाल, देश में अतिक्रमण हटाने और बुलडोजर के इस्तेमाल को लेकर देशव्यापी दिशा–निर्देश तय होने चाहिए। जिससे राजनीतिक दल अपने निहित स्वार्थों के लिये इस कार्रवाई को तार्किक ठहराने की कोशिश न कर सकें। साथ ही अवैध निर्माण गिराने की प्रक्रिया सबके लिये एक समान होनी चाहिए। वैसे तो अवैध निर्माण हटाने की प्रक्रिया निरंतर सालभर चलने वाली प्रक्रिया है, इसका चुनाव या लक्षित समय में उपयोग करना गलत होगा। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सभी हितधारकों से सुझाव मांगे हैं ताकि पूरे देश में बुलडोजर के इस्तेमाल के बाबत तार्किक व एकरूपता वाले दिशा–निर्देश राज्य सरकारों को दिए जा सकें। सवाल अधिकारियों का अपनी विश्वसनीयता कायम करने का भी है।

कानून व्यवस्था और जातिवाद की जहरीली होती राजनीति

–मृत्युंजय दीक्षित–

योगीराज में प्रदेश की कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने लिए साढ़े सात वर्षो में 49 कुख्यात अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। विभिन्न आपराधिक मामलों में संलिप्त 872 नशा व हथियार तस्करी अपराधी और 379 साइबर अपराधियां को गिरफ्तार किया है। लोकसभा चुनावों में पार्टी के सांसदों की संख्या बढ़कर 37 हो जाने से समाजवादी पार्टी विशेष उत्साह में है और जहाँ जहाँ भी उसके सांसद जीते हैं वहाँ वहाँ पार्टी के कार्यकर्ता न केवल अराजकता का वातावरण बनाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं वरन जातिवादी जहर घोलने का प्रयास भी कर रहे हैं। दूसरी तरफ प्रदेश की योगी सरकार लगातार अपराध और अपराधी जगत पर जीरो टालरेंस की नीति पर चल रही है जिसमें कुख्यात माफियाओं व अपराधियो के एनकाउंटर हो रहे हैं तथा बुलडोजर भी चलाये जा रहे हैं, कई जगह अपराधी स्वयं ही आत्समर्पण भी कर रहे हैं या फिर अपना काम धंधा बदल रहे हैं।

प्रदेश का जन सामान्य योगी सरकार की बुलडोजर नीति से प्रसन्न है जबकि विपक्ष लगातार यही आरोप लगा रहा था कि बुलडोजर से लोगों को डराया जा रहा है या अल्पसंख्यको को सताया जा रहा है आदि–आदि। जब सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर पर अंतरिम रोक लगाई तो पूरा विपक्ष खुशियाँ मनाने लगा जबकि सुप्रीम कोर्ट ने अवैध निर्माण को अपने आदेश से अलग रखा था। योगी राज्य में बुलडोजर केवल अतिक्रमण पर ही चलता है अतः प्रशासन को अपना काम करने में कोई समस्या नहीं आई।

आश्चर्यजनक रूप से समाजवादी नेता अपनी जातिवाद की राजनीति को और पैना करने के लिए अपराधियों के पक्ष में खड़े हो रहे हैं। वहीं विगत दिनों हुई कुछ आपराधिक घटनाओं में शामिल लोग समाजवादी पार्टी से सम्बंधित रहे हैं संभवतः यही कारण है कि समाजवादी नेता अखिलेश यादव सहित अन्य सभी जातिवादी नेता जातिवाद के जहर को और तीखा कर रहे हैं। अयोध्या से लेकर कनौज तक दुष्कर्म की जितनी भी घटनाएं सामने आई हैं उसमें सपा कनेक्शन मिला, प्रयागराज में अवैध मदरसे में चल रहा जाली नोट का व्यापार व फिर कौशाम्बी में जाली नोट खपाने वाले सपा के दो नेता अपने दस सहयोगियों के साथ पकड़े गए स्वाभाविक रूप से आपराधिक घटनाओं में लिप्त पार्टी को बैकफुट पर जाने से बचाने के लिए ही अपराध की वीभत्सता तथा गम्भिरता की जगह अपराधी की जाति बीच में लाई जा रही है।

अगस्त माह के अंत में सुल्तानपुर में डकैती डालने आये गिरोह के सदस्यों का एनकाउंटर हुआ जिसमें से एक मंगेश यादव के नाम पर समाजवादी नेता यादव समाज की सहानुभूति बटोरने के लिए उसके घर पहुंच गये और उसका महिमा मंडन करते हुए कहा कि यह एनकाउंटर नहीं एक हत्या है और अब सपा इस मामले को आगामी विधानसभा सत्र में भी जोर शोर से उठाने जा रही है। समाजवादी नेता आजकल जातिगत आधार पर ही अपराध और अपराधियों का संरक्षण व महिमामंडन कर रहे हैं।

प्रदेश की राजनीति में आज सभी दल अपराधी की जाति देखकर उस पर होने वाली कार्यवाही का तीखा विरोध कर रहे हैं जबकि प्रदेश में 2012 से 2017 तक सपा सरकार के शासन काल में पुलिस मुठभेड़ में 34 अपराधी मारे गये थे तथापि उनके शासनकाल में अपराध और अपराधियों का जोरदार बोलबाला था। एक समय था कि कोई सपने में भी नहीं सोच पाता था कि प्रदेश को कभी अतीक जैसे माफियाओं से मुक्ति मिलेगी या फिर बड़े सफेदपोश लोग जेल जाएंगे।

पिछली सरकारों के कई एनकाउंटर में तो मजिस्ट्रेट जांच तक नहीं ती थी। जबकि योगी सरकार में सभी एनकाउंटर की मजिस्ट्रेट जांच हो रही है यहां तक कि कुख्यात माफिया मुख्तार अंसारी की जेल में हुई स्वाभाविक मौत की भी जांच हुई।

योगीराज में प्रदेश की कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने लिए साढ़े सात वर्षो में 49 कुख्यात अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। विभिन्न आपराधिक मामलों में संलिप्त 872 नशा व हथियार तस्करी अपराधी और 379 साइबर अपराधियां को गिरफ्तार किया है। साथ ही 3,970 संगठित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। प्रदेश सरकार अवैध नशे के खिलाफ भी व्यापक अभियान चला रही हे जिसमें अभियुक्तों से सर्वाधिक गांजा बरामद हुआ है व अन्य नशीले पदार्थ भी बरामद हो रहे हैं ।

समाजवादी नेता अखिलेश यादव ने एसटीएफ को भी नहीं छोड़ा ओर उसमें शामिल अधिकारियों की जाति को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उकेर दिया ओर बताया कि कौन सा अधिकारी किस जाति का है। जब जातिवाद की राजनीति बहुत उग्र होने लग गई तब आंकड़ों को देखने से स्पष्ट हुआ कि विगत 7 साल में 207अपराधी एनकाउटर में मारे गये जिसमें– 67 मुसिलम, 20 ब्राहमण, 18 ठाकुर, 17 जाट और गुर्जर 16 यादव, 14 दलित, तीन ट्राइबल, दो सिक्ख, 8 ओबीसी और 42 दूसरी जातियों के थे।

जिस प्रकार से अपराधियों के पक्ष में जाति की राजनीति हो रही है वह सभ्य समाज के लिए उचित नहीं है। यह कहना पूरी तरह से गलत है कि यूपी की पुलिस जाति देखकर एनकाउंटर कर रही हैं या फिर अपराधियों को पकड़ रही है। प्रदेश सरकार अपराधियों का जाति और मजहब नहीं देखती। आज प्रदेश की कानून व्यवस्था की प्रशंसा हर कोई कर रहा है बड़े बड़े उद्योगपति व निवेशक प्रदेश आ रहे हैं और यही बात विपक्षी नेताओं को रास नहीं आ रही है ।

ईरान–इजरायल के बीच ऐलान–ए–जंग का दुष्प्रभाव

– कमलेश पाण्डेय–

दुनिया का थानेदार अमेरिका और उसका प्रबल प्रतिद्वंद्वी रूस (पूर्व सोवियत संघ का काबिल वारिस) के बीच अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जो कुछ भी हुआ, हो रहा है अथवा होगा, वह कोई नई बात नहीं है। क्योंकि अमेरिका–इंग्लैंड की युगलबंदी को संतुलित करने के लिए रूस–चीन का गठजोड़ रणनीतिक पूर्वक आगे बढ़ रहा है। इसलिए हाल में ईरान–इजरायल के बीच शुरू हुए ऐलान–ए–जंग के अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव को इसी परिप्रेक्ष्य में जानने–समझने की जरूरत है।

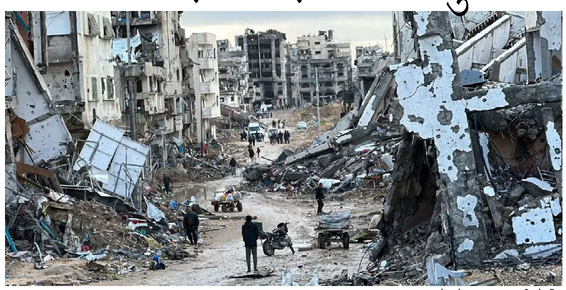

समझा जाता है कि जिस तरह से अमेरिका, यूक्रेन की पीठ थपथपा रहा हैय ठीक उसी तरह से रूस, अब फिलिस्तीन, लेबनान और ईरान को शह दे रहा है। क्योंकि उसकी स्पष्ट सोच है कि यूक्रेन में अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो की मदद तभी थमेगी, जब वह इजरायल के बचाव में मध्यपूर्व के देशों के साथ सीधे तौर पर उलझेगा।

यही वजह है कि जब हमास और हिजबुल्लाह जैसे आतंकी संगठन अपने प्रभाव वाले इलाके में इजरायल के सामने कमजोर पड़ने लगे तो हौसलाअफजाई के लिए उनके आका ईरान को इजरायल के खिलाफ सामने आना पड़ा। उधर जब अमेरिका भी इजरायल के साथ खुले मैदान में उतर गया, तो अब ईरान के तरफदारी में रूस की घोषणा की ओर सबकी निगाहें जमीं हुईं हैं।

वैसे भी इजरायल पर एकाएक बरसीं 200 ईरानी मिसाइलों के बाद अब इजरायली प्रतिक्रिया कितनी भयानक होगी, इस ओर भी पूरी दुनिया की नजर टिकी हुई है। ऐसा इसलिए कि ईरान के हमले के बाद भी इजरायल का हिजबुल्लाह पर एक्शन थमा नहीं है। उसने लेबनान के बेरूत के दक्षिणी इलाकों में भीषण हवाई हमले किए। मतलब लेबनान में फिर बमबारी की। ये हमले हिजबुल्लाह के अहम ठिकानों पर किए गए।

ईरान के हमले के बाद इजरायल ने दो टूक कहा कि हमारा जवाबी ऑपरेशन प्लान तैयार है। हम तय करेंगे कि जवाब कब देना है। जहां भी और जब भी होगा, हम ईरान पर हमला करेंगे। वहीं, ईरान के सेना प्रमुख ने धमकी दी कि अगर उनके देश पर हमला हुआ, तो वो इजराइल के सारे इंफ्रास्ट्रक्चर को तबाह कर देंगे। इससे तय है कि बात अभी और बढ़ेगी।

इसलिए पुनः यह सवाल मौजूं है कि आखिर में प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्वयुद्ध की भयावह त्रासदी को झेलने के बावजूद समकालीन दुनिया स्थाई शांति की परिकल्पना करने के बजाय तीसरे विश्वयुद्ध की परिस्थितियों को बढ़ावा देने पर क्यों तुली हुई हैं? क्या उनका यह कदम उस लोकतंत्र के मुंह पर करारा तमाचा नहीं है, जो स्वतंत्रता–समानता–बंधुत्व की बात करते हुए नहीं अघाता है।

सही मायने में तो अब संयुक्त राष्ट्र संघ भी दुनियावी विरोधाभाषों को खत्म करने या उन्हें सुलझाने की दृष्टि से पूरी तरह से विफल साबित हो चुका है। विशेषज्ञों के मुताबिक, शीत युद्ध कालीन करतूतों की बात यदि छोड़ भी दी जाए, तो समकालीन वैश्विक करतूतें यही इशारे कर रही हैं कि हथियारों के सौदागरों को जिंदा रखने के लिए दुनियाभर में जारी छद्मयुद्धों की बजाए रूस–यूक्रेन युद्ध, इजराइल–फिलिस्तीन युद्ध जैसे अन्य युद्ध भी बेहद जरूरी हैं। इसलिए हर ओर विरोधाभासों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सच कहूं तो ये वही ताकतें हैं जो भारत–पाक युद्ध, भारत–चीन युद्ध, चीन–ताइवान युद्ध को लंबा चलने देने की परिस्थिति पैदा करने में जब विफल हुईं तो उन्हें अपने ही पड़ोस में नए–नए मोर्चे खोलने पड़े। क्योंकि दुनिया की फैक्टरियों में जब हथियार बनेंगे तो उनके खपत के लायक नित्य नया क्षेत्र चुनने की पहल तो सत्ताधीशों को करनी ही होगी। बहरहाल, अमेरिकन और रूसी नेतृत्व यही कर रहा है। चीनी और भारतीय नेतृत्व भी इसी उधेड़बुन में पड़ा है।

आप मानें या न मानें, लेकिन अमेरिका–रूस गुट को आपस में भिड़ाकर और लंबे युद्ध में उलझाकर उन्हें कमजोर होने देने और खुद को दुनिया का नया थानेदार बनाने की जो चीनी चाल है, और उसके दृष्टिगत भारत की जो चुप्पी है, उससे अमेरिका–रूस दोनों की घिग्गी बंधी हुई है। शायद भारत भी चीन को पछाड़कर यही मंसूबा पाले हुए है।

सच कहूं तो भले ही मुस्लिम आतंकवाद कभी अमेरिकी–ब्रिटिश एजेंडा रहा हो, लेकिन अब रूस–चीन गठबंधन भी इसी एजेंडे को आगे बढ़ाकर तेल के खेल में अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो को पटखनी देने की रणनीति अख्तियार कर चुका है। जिसका साइड इफेक्ट्स आज इजरायल झेल रहा है और कल भारत के समक्ष भी इजरायल वाली परिस्थिति को पैदा किया जा सकता है, यदि उसका ज्यादा झुकाव अमेरिकी गुट की तरफ हुआ तो।

मसलन, पश्चिमी एशिया व मध्यपूर्व एशिया समेत दुनिया के इस्लामिक देशों और इसके कतिपय आतंकी शासकों का दुर्भाग्य यह है कि तेल से अर्जित समृद्धि का सदुपयोग वह अपने मुल्क के नागरिकों को ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के बजाए उन्मुक्त उपभोग, धार्मिक कट्टरता और आतंकवाद की भावना को पैदा करके उसको निर्यात करने में लगा दिया। क्योंकि उनके अंतर्राष्ट्रीय पॉलिटिकल बॉस को यही पसंद है। इससे इजरायल और भारत जैसे देशों की परेशानी बढ़ी, लेकिन वो यह भूल गए कि प्रकृति वही लौटाती है, जो हमलोग बांटते हैं।

यही वजह है कि चाहे अमेरिका हो, रूस हो, चीन हो, या बड़े इस्लामिक मुल्क, जब प्रकृति उन्हें छद्मयुद्ध, युद्ध और आतंकवाद की सौगात वापस करने लगी है तो अब ये देश उसे संभालने–झेलने में असमर्थ ही नहीं हैं, बल्कि भौचक्के भी रह जा रहे हैं। आपको ईरान–इराक युद्ध याद होगा। ईरान–अमेरिकी जंग भी याद होगी। तालिबान (अफगानिस्तान)–अमेरिका युद्ध ज्यादा पुरानी बात नहीं हुई है। अमेरिका और सीरिया के बीच जो कुछ हुआ, या हो रहा है, वह सभी जानते हैं।

जानकारों के मुताबिक, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, इराक या मध्यपूर्व के देशों में अमेरिकी रणनीति यदि विफल हो रही है, तो उसके पीछे रूस की बहुत बड़ी भूमिका है। आज यदि अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस जैसे बड़े मुल्क इस्लामिक आतंकवाद व कट्टरता की चपेट में हैं, तो इसके पीछे भी रूसी–चीनी अंतर्राष्ट्रीय शह ही है।

दिलचस्प बात तो यह है कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी रणनीति बदली है और खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाया है, इसलिए वह अब अंतर्राष्ट्रीय सत्ता संतुलन का केंद्र बन चुका है। भारत भी अब हथियारों के सौदागरों की टीम में शामिल होने को बेताब है।

अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में चीनी चाल के दृष्टिगत ही भारत सरकार सोच–समझकर कोई कदम उठाती है। इसलिए अब दुनिया की धड़कन इस बात को सोचकर बढ़ रही है कि यदि तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हुआ तो भारत किधर होगा? क्या वह तीसरी दुनिया के देशों के साथ तटस्थ रहेगा, या फिर रूस से अपनी पुरानी यारी और अमेरिका से अपनी नई यारी निभाएगा!

यही नहीं, जब दुनिया में महंगाई बम फूटेगा, तो उस स्थिति को भारत कैसे संभालेगा। वैसे तो ईरान और इजरायल दोनों भारत के करीब हैं, लेकिन इजरायल और भारत का उद्देश्य एक है–आतंकवाद का समूल सफाया। शायद यह होने का असली वक्त भी अब आ रहा है। भारत की रणनीति साफ होनी चाहिए कि राज्य प्रायोजित आतंकवाद को खत्म किया जाए। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान आदि द्वारा प्रोत्साहित आतंकवाद जितनी जल्दी कुचला जाएगा, दुनिया उतनी जल्दी ही चौन की सांस ले सकेगी।

इधर ईरान–इजरायल के बीच जंग के आसार के चलते कच्चे तेल में भी तेजी देखने को मिल रही है। इससे दुनियाभर में महंगाई बढ़ने के आसार प्रबल हैं। इस हमले के बाद से कच्चे तेल के दामों में 4 फीसदी की तेजी आ गई है। ऐसे में दुनियाभर में महंगाई फिर से बढ़ने के आसार प्रबल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस मिसाइल हमले से जुड़ी बातों के बीच गत 1 अक्टूबर मंगलवार को ही क्रूड ऑयल का भाव बढ़ गया। ब्रेंट वायदा 3.5: बढ़कर 74.2 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 2.54 डॉलर या 3.7: बढ़कर 70.7 डॉलर हो गया।

कहना न होगा कि दुनियाभर में कच्चे तेल में होने वाले उतार–चढ़ाव से वैश्विक अर्थव्यवस्था सीधे तौर पर प्रभावित होती है। जबकि युद्ध से ग्लोबल सप्लाई चौन भी टूट जाती है। ऐसे में आयात और निर्यात की गतिविधियां भी प्रभावित होती हैं, जिससे महंगाई बढ़ने लगती है। पिछले साल रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भी ऐसा ही हुआ था, जब रूस के यूक्रेन पर अटैक के बाद ग्लोबल सप्लाई चौन बुरी तरह से प्रभावित हुई थी। वहीं, कच्चे तेल के दामों में भी जबरदस्त तेजी आई थी। वहीं, इस जियोपॉलिटिकल टेंशन का असर शेयर बाजार पर भी देखने को मिल रहा है।

राजनीति में बढ़ता परिवारवाद

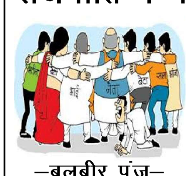

–बलबीर पुंज–

भारतीय राजनीति को परिवारवाद किस प्रकार अपनी जद में ले चुका है, तमिलनाडु का हालिया घटनाक्रम उसका उदाहरण है। यहां द्रविड़ मुनेत्र कडगम (द्रमुक) के मुखिया और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने पार्टी के भीतर वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी करते हुए अपने 46 वर्षीय पुत्र उदयनिधि स्टालिन को उप–मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया। 29 सितंबर को तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि द्वारा उदयनिधि के साथ चार और मंत्रियों को पद–गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। तमिलनाडु और द्रमुक में ऐसा पहली बार नहीं है, जब पिता मुख्यमंत्री और बेटा उप–मुख्यमंत्री रहे हो। वर्ष 2009 में एम.के. स्टालिन को भी उनके पिता और तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने उप–मुख्यमंत्री बना दिया था।

जहां स्टालिन की चुनावी राजनीति की शुरूआत वर्ष 1984 में हुई, तो वहीं स्टालिन के बेटे उदयनिधि पहली बार वर्ष 2021 में विधायक चुने गए। डेढ़ साल बाद ही उदयनिधि मंत्रिमंडल में शामिल हो गए, तो अब वे राज्य के उपमुख्यमंत्री हैं। ये वही उदयनिधि हैं, जिन्होंने गत वर्ष सनातन संस्कृति की डेंगू–मलेरिया–कोरोना आदि बीमारियों से तुलना करते हुए उसे समाप्त करने की बात कही थी। करुणानिधि परिवार की तीसरी पीढ़ी उदयनिधि का हालिया प्रमोशन ऐसे समय हुआ है, जब द्रमुक अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। वर्ष 1949 में सी.एन. अन्नादुरै ने पार्टी की स्थापना की थी। 1969 में उनकी मृत्यु के बाद पार्टी की कमान करुणानिधि के पास चली गई, जो तब प्रदेश के मुख्यमंत्री भी बने। उन्होंने अपने परिवार को राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने बेटे स्टालिन को उत्तराधिकारी बनाने की हठ ने वैको जैसे नेताओं को दरकिनार कर दिया, जो तब करुणानिधि के बाद पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त थे। इस कलह के कारण 1994 में द्रमुक का विभाजन हो गया।

पार्टी में स्टालिन को अगली चुनौती उनके ही बड़े भाई एम.के. अलागिरी से ही मिली, जिन्हें 2014 में पार्टी से निकाल दिया गया। करुणानिधि की बेटी कनिमोझी पार्टी की लोकसभा सांसद है। द्रमुक के भीतर स्टालिन के बाद उदयनिधि के उभार के खिलाफ बहुत कम चुनौती दिखती है। गांधी जी परिवारवाद के मुखर विरोधी थे। स्वतंत्रता के बाद उनके बड़े बेटे हरिलाल ने लावारिसों की भांति मुंबई स्थित अस्पताल में दम तोड़ा था। परंतु गांधीजी के नाम पर राजनीति करते हुए स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने अपनी इकलौती पुत्री इंदिरा गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बनाकर देश में वंशवादी राजनीति का बीजारोपण कर दिया। उस कालखंड में अधिनायकवादी मानसिकता का परिचय देते हुए इंदिरा ने पं.नेहरू को जनता द्वारा चुनी केरल की तत्कालीन वाम सरकार को बर्खास्त करने और वहां राष्ट्रपति शासन थोपने के लिए विवश कर दिया था।

इस घटनाक्रम ने कांग्रेस में एक व्यक्ति और एक परिवार के साथ पूर्ण देश और पार्टी की पहचान को जोडने की गैर–लोकतांत्रिक परंपरा की नींव डाल दी। व्यक्तिवाद से प्रेरित होकर इंदिरा ने न केवल देश पर आपातकाल (1975–77) थोप दिया, बल्कि अपने छोटे बेटे संजय गांधी को अपना उत्तराधिकारी भी बनाना शुरू कर दिया। तब संजय बिना किसी अधिकार के तत्कालीन इंदिरा सरकार के कामकाज में दखल देते थे। जून 1980 में हवाई दुर्घटना में संजय की मौत के बाद राजीव औपचारिक रूप से राजनीति में आए, जो कालांतर में अपनी मां की निर्मम हत्या के बाद देश के प्रधानमंत्री बन गए। इसके बाद कुछ अपवाद को छोड़ दें, तो कांग्रेस पर प्रत्यक्ष–परोक्ष से नेहरू–गांधी परिवार (सोनिया–राहुल–प्रियंका) का प्रभुत्व है और पार्टी में योग्यता–प्रतिभा का स्तर इसी परिवार तक सीमित है।

पिछले सात दशकों में कांग्रेस ने जो वंशवाद प्रेरित राजनीतिक नजीर पेश की है, उसका नतीजा है कि देश में कई दल (छत्रप सहित) परिवारवाद से ग्रस्त हो चुके हैं, जो वर्तमान समय में सत्तापक्ष और विपक्षकृदोनों में मिल जाएंगे। समाजवादी पार्टी की स्थापना मुलायम सिंह यादव ने की थी। बाद में उनके बेटे अखिलेश यादव अपने पिता की भांति उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री बने और आज पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। मुलायम परिवार के अन्य कई सदस्य विभिन्न पदों (सांसद सहित) पर हैं। राष्ट्रीय जनता दल की स्थिति अलग नहीं है। इसकी शुरूआत लालू प्रसाद यादव ने की थी, जिसे अब उनके बेटे तेजस्वी यादव संभाल रहे हैं। लालू की पत्नी राबड़ी देवी भी अपने पति की तरह बिहार की मुख्यमंत्री रही हैं। शरद पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को वर्ष 1999 में खड़ा किया था, जो पारिवारिक कलह के कारण पिछले साल दो फाड़ हो गई। पवार की बेटी सुप्रिया सुले अपने पिता के दल में कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद हैं। पार्टी टूटने से पहले शिवसेना की कमान भी बाल ठाकरे के बाद बेटे उद्धव और पोते आदित्य के हाथों में थी। तृणमूल कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी में बुआओं (ममता–माया) और भतीजों (अभिषेक–आकाश) का वर्चस्व है।

जिलाधिकारी को जालसाज की धमकी, काम न दिलाया तो अंजाम अच्छा नहीं होगा

संवाददाता–श्रावस्ती। लखनऊ निवासी एक जालसाज शासकीय विभागों में उच्च अधिकारियों का नाम लेकर दबाव बनाता है। जो स्वयं व अपनी चहेती कंपनियों को ठेका दिलाने में सिंडिकेट का काम करता है। उसने अपनी एक चहेती फर्म को काम दिलाने के लिए डीएम पर दबाव बनाया। जिसे डीएम ने कर्मचारियों के सहयोग से कार्यालय से बाहर निकलवा दिया गया। जिसने व्हाट्सअप चौट के माध्यम से डीएम को अंजाम अच्छा न होने की धमकी दिया है। मामले में डीएम के स्टेनो की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

डीएम अजय कुमार द्विवेदी के अनुसार लखनऊ के रायबरेली रोड स्थित साउथ सिटी निवासी संदीप त्रिपाठी पुत्र जगदीश त्रिपाठी द्वारा शासकीय विभागों में उच्च अधिकारियों तथा बड़े नेताओं का नाम लेकर दबाव बनाकर स्वयं व अपने से जुड़ी हुई कंपनियों को ठेका दिलाने का कार्य किया जाता है। उसने एक सिंडिकेट के रूप में कई सारी कंपनियों से सम्पर्क कर रखा है। एक कंपनी के ब्लैक लिस्ट होने पर दूसरी कंपनी के माध्यम से कार्य लिया जाता है जिसके विरूद्ध लखनऊ व श्रावस्ती में पहले से ही ठगी व जालसाजी के दो दो मामले दर्ज हैं। जिसके द्वारा व्हाट्सअप चौट के माध्यम से धमकी दी कि टेंडर ट्रिव्यू कंपनी को ही मिलना चाहिए। सोच लीजिए नहीं तो अच्छा नहीं होगा। सीसीटीवी के टेंडर हमको ही मिलना चाहिए। ट्रिव्यू कंपनी नाम याद रखना। नहीं तो अंजाम अच्छा नहीं होगा। उसके द्वारा शासकीय कार्य में बाधा डाली गई है। साथ ही आन ड्यूटी अधिकारियों को धमकी दी गई है। मामले में डीएम के स्टेनो अनूप कुमार तिवारी की तहरीर पर भिनगा कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

डीएम के अनुसार लखनऊ के साउथ सिटी निवासी संदीप त्रिपाठी पर लखनऊ के मड़ियांव थाने में 85 लाख की ठगी करने के आरोप में भी मामला दर्ज है। साथ ही लखनऊ के ही पीजीआई थाने में स्वयं को आईएएस व आईपीएस अधिकारियों का परिचित बताकर सरकारी नौकरी के नाम पर 30 लाख की ठगी करने के आरोप में भी उसके विरुद्ध मामला दर्ज है। भिनगा के पुरानी बाजार निवासी मोहम्मद शाहिद पुत्र मोहम्मद हामिद को टेंडर दिलाने के नाम पर साढ़े छह लाख रुपये की ठगी की गई। इस पर इकौना थाने में उसके विरुद्ध मामला दर्ज है। साथ ही भिनगा कोतवाली में बेसिक शिक्षा विभाग में डेस्क–बेंच की आपूर्ति मानक के अनुरूप तथा निर्धारित मात्रा के अनुसार न करने के आरोप में मामला दर्ज है।

नवरात्र के प्रथम दिन विधि विधान से हुई कलश स्थापना

संवाददाता–देवरिया। शारदीय नवरात्र का शुभारंभ गुरुवार को हो गया। प्रथम दिन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से कलश की स्थापना की गई। घर से लेकर मंदिरों में श्रद्धा व भक्ति का ज्वार उमड़ पड़ा। चहुंओर मां की जय जयकार सुनाई देती रही। शारदीय नवरात्र पर शहर से लेकर गांव तक श्रद्धा व भक्ति में लोग डूबे हुए हैं। कलश स्थापना के बाद पहले दिन लोगों ने विधि विधान से मां आदिशक्ति के शैलपुत्री स्वरूप की आराधना की। घर में पूजन आदि कर लोग देवी मंदिरों की ओर चल दिए। घर का जरूरी कामकाज करने के बाद महिलाएं भी मंदिर पहुंचीं। मां आदिशक्ति का दर्शन कर पूजन किया। शहर के देवरही मंदिर में भोर से ही श्रद्धालुओं की कतार लग गई। लोगों ने मां के विग्रह का दर्शन कर नारियल आदि अर्पित कर आगे बढ़ते रहे। बाहर आकर मां आदिशक्ति को मन में स्मरण कर धूप, दीप आदि अर्पित किए। अमेठी माई मंदिर में बड़ी संख्या में लोग दर्शन पूजन करने पहुंचे। रामनाथ देवरिया, अमेठी, कतरारी, रजला, खोराराम के अतिरिक्त शहर के विभिन्न मोहल्लों से पहुंचे लोगों ने भी दर्शन पूजन किया। राघव नगर दुर्गा मंदिर में भी लोगों ने मां आदिशक्ति की आराधना की।

पुलिस लाइन मंदिर, सिद्धेश्वरनाथ मंदिर, गरुड़पार स्थित काली मंदिर, लाहिलपार दुर्गा मंदिर, अहिल्यापुर दुर्गा मंदिर, अगस्तपार के अष्टभुजी मंदिर, भटनी के जलपा माता मंदिर में भी लोगों ने दर्शन पूजन किया। मां आदिशक्ति से स्वयं व परिवार के लोगों की कुशलता की कामना की। गायत्री शक्तिपीठ कसया रोड में गायत्री महामंत्र का नौ दिवसीय अनुष्ठान शुरू हुआ। यहां कलश स्थापना कर लोगों ने मां गायत्री के चरणों में सिर झुकाए। गुरुदेव आचार्य श्रीराम शर्मा, माता भगवती देवी शर्मा को भी प्रणाम किया। उपस्थित अनेक श्रद्धालुओं ने 24 हजार गायत्री जप का संकल्प लिया।

नवरात्र के प्रथम दिन घरों में दुर्गासप्तशती के प्रथम अध्याय का पाठ किया गया। कुछ श्रद्धालु मंदिरों में मां आदिशक्ति की प्रतिमा के सामने बैठकर पाठ किए। वहीं कई लोगों ने रामचरित मानस के प्रथम नवाह्न परायण का पाठ किया। वहीं गायत्री परिवार से जुड़े अनेक श्रद्धालुओं ने घरों में गायत्री मंत्र 24 हजार जप का अनुष्ठान शुरू किया। बालाजी मंदिर में शारदीय नवरात्र पर विशेष आयोजन हुआ। शाम को भगवान वेंकटेश ने भक्तों को दर्शन दिया। मां पद्मावती का माताजी का अभिषेक व विशेष श्रृंगार किया गया। अनुज्ञा, मृदाहरण, पंचांग पूजन, मंडप, प्रवेश, अग्निस्थापना की गई। भक्ति वाटिका पीठाधीश्वर व श्री तिरुपति बालाजी मंदिर के संस्थापक स्वामी राजनारायणाचार्य ने श्रद्धालुओं को नवरात्र की बधाई दी।

राम कथा पार्क में संतों ने श्रीमद् भागवत कथा का किया शुभारंभ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। राम कथा पर्क में तीन कलश तिवारी मंदिर धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट अयोध्या के सौजन्य से सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा शुभारंभ अयोध्या के प्रतिष्ठित संतो महंतों दीप प्रज्वलित कर किया। प्रथम दिवस कथा के शुभारंभ करते हुए जगद्गुरु रामानुजाचार्य डॉ स्वामी राघवाचार्य महाराज श्रीमद् भागवत कथा के महात्मा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा अमृत कथा है जिसके श्रवण से मनुष्य भवसागर के पार हो जाता है। उन्होंने कहा कि आज शारदीय नवरात्र के प्रथम दिवस पर अयोध्या के पंडित उमापति त्रिपाठी द्वारा प्रतिष्ठित वशिष्ठपीठ पंडित शिवेश्वरपति त्रिपाठी, श्रीशपति त्रिपाठी, पंडित और महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी के सौजन्य से श्री अवध धाम में कथा का आयोजन किया जा रहा है जो साइन 3 बजे से 6 तक 11 अक्टूबर तक प्रतिदिन होगी जिसमें सभी लोग इस अमृत कथा का लाभ लेंगे। कथा शुभारंभ के पहले मुख्य यजमान पंडित शिवेश्वरपति त्रिपाठी ने व्यास पीठ और व्यास पीठ पर विराजमान जगतगुरु स्वामी डॉ राघवाचार्य का पूजन अर्चन कर आरती उतारी। उसके उपरांत उपस्थित अयोध्या के प्रतिष्ठित संतु महंतों का पूजन अर्चन किए।

महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा छावनी पीठाधीश्वर हमारे परिवार का सौभाग्य है की कथा परिवार का सौभाग्य है की श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ मैं सुप्रीम खिलाड़ी कथा श्रवण करने आए हैं सभी संतो महंतो एवं भक्तों का स्वागत सत्कार करता हूं और आभार व्यक्त करता हूं।श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज के शिष्य महंत कमलनयन दास महाराज ने बताया श्रीमद् भागवत कथा जीवन का कल्याण करती है, अयोध्या धाम में कथा श्रवण से कई गुना पुण्य बढ़ जाता है। कथा कुंज पीठाधीश्वर रामानंद दास महाराज ने बताया कि तिवारी मंदिर अयोध्या की प्रतिष्ठित पीठ है इनके द्वारा श्री अवध धाम में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है इसमें जो भी श्रवण करेंगे निश्चित ही उन्हें पुण्य प्राप्त होगा और श्रीमद् भागवत कथा जगत का कल्याण करती है जब धाम में यह कथा हो तो सबका कल्याण होता हैं। जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, सुग्रीव किला पीठाधीश्वर विश्वेशपन्नाचार्य, बड़ा भकमाल पीठाधीश्वर महंत अवधेश कुमार दास महाराज ने अपने आशीर्वचन प्रदान किया। संचालन राम कथा और भागवत कथा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता आचार्य राधेश्याम शास्त्री ने किया। इस अवसर पर अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता,संत एमबी दास सहित सैकड़ो संत महंत और भक्तगण उपस्थित रहे। तिवारी मंदिर के रुदेश तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया।

धूमधाम से निकली महाराजा अग्रसेन की शोभायात्रा

संवाददाता–देवरिया। मारवाड़ी समाज ने गुरुवार को धूमधाम से महाराजा अग्रसेन जयंती मनाई। इस अवसर पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शहर में जगह जगह यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। सड़कें महाराजा अग्रसेन के जयकारों से गूंजती रहीं।

जयंती समारोह का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन अतिथि भवन पेड़ा में संरक्षक संजय केडिया ने पूजन अर्चन व ध्वजारोहण कर किया। दिन में मारवाड़ी युवा मंच ने म्यूजिकल चेयर दौड़ व हौजी गेम प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें बच्चों व बड़ों ने भरपूर आनंद लिया। लगभग चार बजे मारवाड़ी युवा मंच के नेतृत्व में अतिथि भवन से महाराजा अग्रसेन की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। सजे हुए घोड़े जुते सुंदर रथ पर महाराजा अग्रसेन सुंदर झांकी सजी हुई निकली।

आगे आगे बैंड बाजा के साथ लोक वाद्ययंत्र नगाड़ा, सिंघा आदि बजाते हुए कलाकार चलते रहे। इसके पीछे मारवाड़ी समाज के पुरुष, महिलाएं व बच्चे अनुशासित होकर लाइन लगाकर अग्रसेन महाराज की जय जयकार लगाते हुए चल रहे। शोभायात्रा मोहन रोड नई बाजार, अमर ज्योति चौराहा, कोतवाली चौराहा, अंसारी रोड, मालवीय रोड, बजाजी गली होते हुए वापस अग्रसेन अतिथि भवन पहुंचकर पूरी हुई। इस बीच कोतवाली चौराहे पर अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष पुरुषोत्तम मरोदिया, मंत्री आनंद झुनझुनवाल, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष विवेक कमानी आदि ने महाराजा अग्रसेन की आरती उतारी।

इस अवसर पर विनय भगत, संतोष पोद्दार, प्रेम अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, नरेश अग्रवाल,विष्णु अग्रवाल, शिव गोयल, विष्णु भगत, शरद अग्रवाल, आशीष कनोडिया, अनूप लाडिया, सचिन अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, कामेश्वर अग्रवाल, पीयूष मित्तल, कन्हैया राजगढ़िया, लालू बजाज, सुमित अग्रवाल, रोशन नांगलिया, मुरारी खेतान, केशव रुंगटा, पुनीत झुंझुनवाल, अंबरीश अग्रवाल, रोहित धनधनिया, ईश्वर अग्रवाल, संजय बजाज आदि उपस्थित रहे।

आपरेशन से प्रसव के बाद महिला की मौत, शव रखकर हंगामा

संवाददाता–महराजगंज। पुरंदरपुर क्षेत्र के मोहनापुर स्थित मंजरी हास्पिटल में बुधवार को प्रसव के लिए भर्ती कराई गई महिला की ऑपरेशन के बाद हालत बिगड़ गई। आरोप है कि डॉक्टर ने आनन–फानन में उसे बिना ऑक्सीजन लगाए अपनी कार से गोरखपुर भेज दिया और गोरखपुर में डॉक्टर ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। इससे नाराज परिजन देर रात शव लेकर हास्पिटल पर पहुंचे और शव रखकर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामें की खबर पर पहुंची पुलिस ने समझा–बुझाकर मामला शांत कराते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस मामले में हास्पिटल के डॉक्टर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज हो गया है। बुधवार को बेलवा खुर्द निवासी श्यामू चौहान की 25 वर्षीया पत्नी शीतल चौहान को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन मंजरी हास्पिटल लेकर पहुंचे। श्यामू का आरोप है कि डॉक्टर ने बिना परिजनों को सूचित किए ऑपरेशन किया। बच्ची का जन्म हुआ, लेकिन महिला की हालत बिगड़ने लगी। आरोप है कि आनन–फानन में अस्पताल संचालक ने बिना परिजनों को बताए महिला को अपने वाहन से बिना ऑक्सीजन लगाए गोरखपुर ले जाने लगा। कुछ दूर जाने के बाद चालक के हवाले छोड़ फरार हो गया। चालक प्रसूता व उसके पति को लेकर गोरखपुर के अस्पतालों का चक्कर लगाने लगा। एक अस्पताल पर पहुंचने के बाद डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद नाराज परिजन शव लेकर हास्पिटल पर पहुंचे और धरना प्रदर्शन करते हुए हंगामा करने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत किया। प्रसूता की मौत के बाद हॉस्पिटल संचालक सहित पूरा स्टाफ हॉस्पिटल छोड़कर फरार हो गया। जबकि परिजन शव को हॉस्पिटल के सामने रखकर प्रदर्शन करने लगे। परिजनों का यह भी आरोप है कि गोरखपुर में संचालक के ड्राइवर ने मृतका के परिजनों से नोंक–झोंक व हाथापाई की। परिजन शव रखकर कारवाई की मांग पर अड़े रहे। सूचना पर एसओ पुरुषोत्तम राव, एसआई सुनील कुमार वर्मा, एसआई संदीप यादव, एसआई सान्तनु शर्मा, एसआई रवि प्रकाश गुप्ता मयफोर्स मौके पर पहुंच गए। मोहनापुर में पुलिस छावनी बन गई थी। पुरुषोत्तम राव, एसओ, पुरंदरपुर ने कहा कि शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका के पति श्यामू चौहान की तहरीर पर अस्पताल के डॉ. मुख्तार के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है।

डॉ. राजेश द्विवेदी, एसीएमओ, नोडल अधिकारी ने कहा कि मोहनापुर का मंजरी हास्पिटल पंजीकृत है। प्रसूता की मौत के कारणों की जांच टीम बनाकर की जाएगी। जरूरी कार्रवाई होगी।

जीआईसी जनपद का एक गौरव –सांसद

संवाददाता–देवरिया। जीआईसी में नए भवन के निर्माण, छात्रावास, लाइब्रेरी, म्यूजियम, स्मार्ट क्लास, शौचालय के निर्माण तथा अन्य सुविधाओं के लिए शासन से स्वीकृति मिली है। इसे लेकर गुरुवार को कालेज सभागार में सदर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि जीआईसी जनपद का एक गौरव है। और हम जनप्रतिनिधियों विशेष कर कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही के प्रयास से इसके बेहतरी के लिए शासन से जो धन अवमुक्त हुआ है उससे कालेज में छात्रों के लिए मूलभूत सुविधाओं का विकास होगा। उन्होंने कहा कि कालेज में जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते हैं जिन्हे विभिन्न कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यहां एक हजार विद्यार्थियों के लिए छात्रावास बन जाने से छात्र और छात्राओं को कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। जिला विद्यालय निरीक्षक शिव नारायण सिंह ने कहा कि भवन निर्माण गुणवत्तापूर्ण हो तथा नियत समय में कार्य पूरा हो इसके लिए हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे। इस दौरान भाजपा नेता दिवाकर मिश्रा, शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष नरेंद्र तिवारी, मीडिया प्रभारी प्रभाकर तिवारी, विद्यालय के प्रधानाचार्य रामकिंकर मिश्रा, एक्सईएन राजेंद्र नाथ राय, जेई ज्योति नारायण, सतीश कुमार पांडे, रामप्रताप सागर, नंद लाल चौधरी, नीरज सिंह, मनीष मणि त्रिपाठी, प्रिंस चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे।

दशरथ कुंड वार्ड में गांधी और शास्त्री जी की जयंती पर आयोजित किया गया जवाबी बिरहा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के द्वितीय प्रधानमंत्री जय जवान जय किसान का नारा देने वाले लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर दशरथ कुंड स्थित हलकारा पूरवा में पार्षद प्रतिनिधि शिवकुमार यादव उर्फ लुल्लुर के द्वारा एक विशाल जवाबी बिरहा का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ अयोध्या को सांसद अवधेश प्रसाद, पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन और पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री चित्रपर माल्यार्पण कर किया।जिसमें दशरथ कुंड वार्ड की जनता ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और सभी ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को नमन किया यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष 2 अक्टूबर को किया जाता है। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य राम बख्श यादव ने किया। बाराबंकी से आए चंद्र प्रकाश और मसकनवां से आए मनोज के द्वारा जवाबी बिरहा सुन ग्राम वासी मंत्र मुग्ध हो गए। पार्षद प्रतिनिधि शिवकुमार यादव उर्फ लुल्लुर मैं बताया कि गांधी जयंती पर प्रति जवाबी बिरहा का आयोजन होता है और आने वाले वर्षों में और विस्तार दिया जाएगा। इस अवसर पर मोहम्मद इरफान उर्फ नन्हे मियां ने कहा कि 2 अक्टूबर गांधी जी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर कई वर्षों से किया जा रहा है इस वर्ष जवाबी बिरहा का आयोजन किया गया है।बिरहा गायकों का स्वागत मुख्य अतिथि मोहम्मद इरफान उर्फ नन्हे मियां ने अंग वस्त्र भेंट कर व माला पहनाकर किया। अतिथियों का स्वागत पार्षद प्रतिनिधि लुल्लुर यादव अंग वस्त्र भेंट कर किया।कार्यक्रम में अशोक यादव पत्रकार, लाल बहादुर खलीफा मानसिंह यादव, अशोक यादव के अलावा बड़ी संख्या में बिरहा के शौकीन लोग मौजूद रहे। बिरहा का मुकाबला पूरी रात चला जिसमें हजारों की संख्या में लोग उपस्थित होकर के बिरहा का आनंद लिए।

घर बसाने के बजाए उजाड़ने का काम कर रही सरकार –अजय राय

संवाददाता–बहराइच। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय गुरुवार को फखरपुर के ग्राम सराय जगना में बुलडोजर की कार्रवाई से प्रभावित परिवारों से मिले। कहा कि सरकार बसाने के बजाए लोगों के घर उजाड़ रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ की तरह बहराइच में भी ऐसे परिवारों को पहले आवास फिर कार्रवाई अमल में लाना चाहिए। सरकार के इस कदम के विरोध में कांग्रेस है। पीड़ितों के साथ खड़ी हुई है।

कैसरगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत सराय जगना के वजीरगंज बाजार में गाटा संख्या 211, 212 और 92 पर खलिहान की जमीन है। इस जमीन पर एक समुदाय के लोगों ने पक्का निर्माण करवा लिया था। गांव निवासी एक महिला ने कोर्ट में वाद दायर कर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। लखनऊ उच्च कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने का निर्देश जिला प्रशासन को दिया था। जिस पर 25 सितंबर को जिला प्रशासन ने 23 परिवार के मकानों को बुलडोजर से गिरवा दिया था। इसका मुआयना करने गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार का रवैया तानाशाही पूर्ण है। इसका विरोध कांग्रेस करती रहेगी। उप चुनाव पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमने पांच सीट की मांग की है। पांच सीट मिलने पर गठबन्धन से चुनाव होगा। भाजपा सरकार को हराकर बुलडोजर की सरकार को नदी की ओर मोड़ दिया जाएगा।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई कर सरकार गरीबों को नीचे गिरा रही है।

प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनेंगी महिलाएं–रवीन्द्र

संवाददाता–श्रावस्ती। एसएसबी महिला कार्मिकों व एसएसबी परिवार की महिलाओं को छी दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में महिलाएं मोमबत्ती व अगरबत्ती बनाने की कला सीखेंगी। जिसकी शुरुआत गुरुवार को की गई। एसएसबी वाहिनी मुख्यालय भिनगा में आरसेटी के सहयोग से गुरुवार को छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का कमांडेन्ट रबीन्द्र कुमार राजेश्वरी, द्वितीय कमान अधिकारी अमरेन्द्र कुमार वरुण, एलडीएम सुभाष चन्द्र मित्रा, निदेशक संदीप कुमार, नाबार्ड श्रावस्ती के डीडीएम अनुज कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस प्रशिक्षण में 40 संदीक्षा महिला व महिला कार्मिकों को छह दिवसीय मोमबत्ती व अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। एलडीएम सुभाष चन्द्र मित्रा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में महिलाओं को उच्च गुणवत्ता वाली मोमबत्ती और अगरबत्ती निर्माण की तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही बाजार में उत्पाद की मांग व विपणन से सम्बंधित जानकारी भी दी जाएगी। कमांडेंट ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से महिलाओं को सशक्त बनाने और उनको आत्मनिर्भर बनाने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिससे उनमें ज्ञान, कौशल व कार्य करने की क्षमता में वृद्धि भी होगी। प्रशिक्षण आत्मनिर्भर बनने और आर्थिक स्थिति सुधारने में सहायक होगा। इस दिवाली पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं की ओर से तैयार की गई मोमबत्तियों से ही वाहिनी जगमगाएगी। उन्होंने मन लगाकर प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर उपकमांडेन्ट पीयूष सिन्हा, उपकमांडेन्ट डा. रश्मि वाजपेयी, निरीक्षक ओमकार, सहायक उप निरीक्षक नरेश कुमार, प्रशिक्षण संस्थान से संकाय सदस्य अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

शक्ति के नौ पहलुओं को नवदुर्गा रूप बताया गया है –राधेश्याम शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या धाम के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्री राम कथा और श्रीमद् भागवत कथा के मर्मज्ञ राधेश्याम शास्त्री महाराज ने शारदीय नवरात्र के उपलक्ष में बताया कि परमात्मा के चेतना की अभिव्यक्ति का नाम है, शक्ति उसी शक्ति के नौ पहलूओं को नव दुर्गा के रूप में बताये गये हैं। नव दिनों तक उसका एक–एक रूप पूजा जाता है। स्त्री के अन्दर भी,देवी की दिव्यता की संभावना है।कभी वह ब्रह्मचारिणी है।तो कभी स्कन्दमाता, कभी महागौरी कभी, कालरात्रि स्त्री के व्यक्तित्व के नौ पहलुओं को गौरवान्वित कर पूजने का क्या मतलब होगा यदि समाज में स्त्री का कोई सम्मान ही नही है तो,सामान्य स्त्री को अवसर मिले तो वह भी विकसित हो सकती है।देवी किसी न किसी पशु पर सवार है, अधिकतर शेर पर। लेकिन एक–एक बार बैल और गधे पर सवार है।इसका क्या अर्थ है? जरूर गहरा आशय होना चाहिए जिसे डीकोड करना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि हमारे पूर्वज इन चित्रों के द्वारा क्या कहना चाहते थे?क्या कोई सामान्य स्त्री पूजने योग्य नहीं हो सकती? वास्तविक सृजन और पालन–पोषण वही करती है।

आज के संदर्भ में स्त्री का एक और रूप शक्तिवान रूपों में सम्मिलित होना चाहिए।अब स्त्री इतनी जाग्रत और सशक्त हो गई है कि वह देवी के सभी रूपों से प्रेरणा ले सकती है। आधुनिक स्त्री अपने शोषण होने के खिलाफ न्याय मांग रही है। दुर्गा की सिर्फ पूजा करने की बजाय स्त्रियां उसके सभी पहलुओं को जीना शुरु करें। एक तो शक्ति है जो साधनों से उपलब्ध होती है। दूसरी शक्ति जो हमारी अपनी है ।

आपके पास धन है तो आप धनवान हैं। आपके हाथ में तलवार है तो आप बलवान हैं। आपके शरीर में बल है तो आप बलवान हैं। धन है तो आप खरीद सकते हैं, तलवार है तो आप किसी को झुका सकते हैं। लेकिन आप स्वयं शक्तिशाली नहीं हैं। शक्ति तलवार में है, अगर तलवार टूट जाए तो आप कमजोर हो जाएंगे। शक्ति धन में है, अगर धन खो जाए तो आप निर्बल हो जाएंगे। एक नेता है, उसकी शक्ति है कि लोग उसे मत दे रहे हैं। कल वे मत न दें, तो उसकी शक्ति नष्ट हो जाएगी।तो एक तो शक्ति है जो साधनों से मिलती है। लेकिन वह वास्तविक शक्ति नहीं है। क्योंकि आप तो कमजोर ही बने रहते हैं।

उन्होंने बताया कि आपके आसपास शक्ति होती है, आप कमजोर होते हैं। और यह शक्ति किसी भी दिन छीनी जा सकती है। राजसिंहासन पर बैठा हुआ आदमी किसी भी क्षण भिखारी हो सकता है। जिनके नामों की चर्चा दिनकृरात अखबारों में होती है, जब वे पद पर नहीं रह जाते तो पता ही नहीं चलता कि वे जीवित भी हैं कि मर गए। उनकी कोई खबर ही नहीं रह जाती। कितने लोग चुपचाप खो जाते हैं। नव शक्तियों के बारे में बताते हुए बताया कि मान शक्ति,दूसरों को मान सम्मान देने की इच्छा शक्ति बड़ों को सम्मान, छोटों को प्यारदान शक्ति,सहयोग करने की।भान शक्ति,अपने संस्कारों का भान रहे।योग शक्ति,चित्त की चंचल वृतियों के निरोधा की शक्ति।भक्ति शक्ति,प्रेम की भाषा सभी समझते हैं, घृणा से नही भाव से, मौन शक्ति, सभी बातों पर बहस नही, सार्थक बोलना।मन्त्र शक्ति,मनन चिन्तन विचार विमर्श।संकल्प शक्ति,दृढ़ता पूर्वक संकल्प विकल्प रहित, कन्फर्म, कन्फ्यूज नही।ध्यान शक्ति,सबका ध्यान, केवल पहना ही नही, समष्टि के लिए न सोचें, व्यष्टि के लिए भी सोचें।

मां ने दुधमुंही बच्ची को सेफ्टी टैंक में डुबाकर मार डाला, बेटी पैदा होने पर नाराज था पति

संवाददातागोण्डा। अभईपुर ग्राम पंचायत के मेहरबानपुरवा में दुधमुंही बच्ची की मौत के मामले में बुधवार को पुलिस ने उसकी मां जगपती के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि बेटी पैदा होने के बाद उसका पति नाराज था और वह मुंबई से घर नहीं आ रहा था। बीते शनिवार की रात संदिग्ध हालात में बिस्तर से गायब हुए दुधमुंही बच्ची का शव सोमवार को शौचालय के टैंक से बरामद हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्ची की डूबने से मौत होने की पुष्टि हुई है। पुलिस हत्यारोपी मां को हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी है। जांच में पता चला है कि बेटी पैदा होने के ताने से नाराज मां जगपती ने शनिवार की रात 10 बजे मोबाइल पर मुंबई में रह रहे पति माताफेर से बात की। इसके आधे घंटे बाद बच्ची गायब हो गई। ससुर सीताराम का आरोप है कि उसकी बहू ने ही अपनी बच्ची को घर के पीछे टैंक में डुबोकर मार डाला। सीताराम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि शनिवार की रात नातिन शगुन गायब हो गई थी। रविवार को उसने जानवर के उठा ले जाने की आशंका व्यक्त करते हुए पुलिस को सूचना दी थी। सोमवार को उसका शव घर के पीछे बने शौचालय के टैंक के पानी में उतराता हुआ मिला।

ससुर का आरोप है आठ माह की बच्ची चलकर वहां तक जा नहीं सकती। जब उसने पता किया तो पता चला कि उसकी मां ने ही बच्ची को मारने के लिए टैंक के पानी में डाल दिया था। पहले बच्ची को खोजने के लिए पुलिस व वन विभाग ने दो दिन सर्च अभियान चलाया। इसके बाद एसपी विनीत जायसवाल व एएसपी राधेश्याम राय ने घटनास्थल का निरीक्षण कर घर के पीछे गड्ढे व टैंक से पानी निकलवाए जाने का निर्देश अधीनस्थों को दिया था। पुलिस ने जैसे ही पम्पिंग सेट से टैंक से पानी निकलवाना शुरू किया तो बच्ची टैंक में मिल गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्ची की मौत पानी में डूबने से होने की पुष्टि हुई है। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार को इसका खुलासा कर दिया जाएगा। एएसपी पश्चिमी के मुताबिक प्रारंभिक तौर पर पूछताछ में पता चला है कि पति माताफेर मुंबई चला गया था। बेटी पैदा होने के बाद वह घर नहीं आया। उसके बड़े भाई के दो बेटे हैं। एएसपी ने बताया कि बेटी पैदा होने से पति नाराज था। माना जा रहा है।

पौराणिक बौडिहारनाथ धाम में मां देवी प्रतिमा स्थापना के लिये निकली भव्य कलश यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नवरात्रि के प्रथम दिन मां शैल पुत्री की विधि विधान से पूजन अर्चन के साथ गुरूवार को गौर विकास खण्ड क्षेत्र के श्री बौडिहारनाथ धाम में प्रमुख समाज सेवी दयाशंकर पटवा द्वारा आदि शक्ति श्री महाकाली मां दुर्गा मंदिर की प्रतिमा स्थापित की गई।

समाज सेवी दयाशंकर पटवा ने बताया कि उनकी वर्षो से इच्छा थी कि बौडिहारनाथ धाम में मां दुर्गा का मंदिर निर्माण कराकर देवी प्रतिमा स्थापित कराया जाय। सबके सामूहिक प्रयास से यह संकल्प पूरा हुआ। बौडिहारनाथ धाम सेवा ट्रस्ट बौडिहार बेलघाट द्वारा इसका संचालन किया जायेगा। बताया कि मंदिर में पहले से ही पौराणिक बौडिहारनाथ का शिव मंदिर आस्था का केन्द्र है और द्वादश ज्योर्तिलिंग की पहले से ही स्थापना की गई है। मंदिर परिसर में देवी देवताओं की प्रतिमायें स्थापित हैं। यह मंदिर पहले से प्रसिद्ध है और मां देवी की प्रतिमा स्थापित होने के साथ ही इसकी आध्यात्मिक भव्यता और बढ जायेगी।

गुरूवार को बडी संख्या में श्रद्धालु भक्त पूरी आस्था के साथ भक्तिमय गीतों को गाते हुये मंदिर परिसर से बेलघाट बाजार, भैसा होते हुये प्रमुख मंदिरों पर वैदिक मंत्रों के साथ पूजन अर्चन कर पुनः बौडिहारनाथ धाम पहुंचे जहां कलश स्थापित किये गये। अयोध्या धाम से आये पुजारी श्री राम शास्त्री और उदयभान पाण्डेय ने शिष्यों के साथ विधि विधान से मां देवी प्रतिमा को स्थापित करने की प्रक्रिया आरम्भ किया। वैदिक रीति के अनुरूप 5 अक्टूबर को मां देवी प्रतिमा का पूजन अर्चन भक्तों द्वारा आरम्भ हो जायेगा। कलश यात्रा और मां देवी प्रतिमा स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू किये जाने के अवसर पर मुख्य रूप से रमाकान्त पाण्डेय, बाबा लाल मोहन दास, उमाशंकर पटवा, कृपाशंकर पटवा, रमेश पटवा, वृजेश पटवा, जयेश पटवा, संदीप पटवा, सुमित चावला, राधेश्याम पटवा, राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, कुसुम पटवा, सुशीला मिश्र, शैल कुमारी, अनिल मिश्र, राम नरेश यादव, राम सूरत यादव के साथ ही बड़ी संख्या में आस–पास के गांवों के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मां के भक्तों ने शैलपुत्री की आराधना

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में शारदीय नवरात्र के पहले दिन भोर से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लग गया। आगम और निगम दोनों विधा के साधकों ने शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना की। पहले दिन देवी के उपासकों ने मां शैलपुत्री के रूप में आराधना की और घर परिवार के सुख समृद्धि के आशीर्वाद मांगे। नवरात्र के पहले दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक देखी गई। शारदीय नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालुओं ने घरों में शुभ मुहूर्त में कलश स्थापित कर मां भगवती के शैलपुत्री स्वरूप का आवाहन किया। पूजन के बाद दुर्गा सप्तशती का पाठ किया। वहीं देवी मंदिरों में काफी भीड़ उमड़ी। जिला मुख्यालय पर समय माता मंदिर में भोर से ही भक्तों की कतार लग गई। स्काउट व गाइड की निगरानी में कतार में लगे मां के भक्तों ने दर्शन किए। घंटे–घड़ियाल व मां के जयकारों से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। इस मौके पर मुंडन कराने के लिए भी लोगों की काफी भीड़ रही। मंदिर परिसर में पुरोहितों व श्रद्धालुओं ने दुर्गा सप्तशती का पाठ किया। तामेश्वरनाथ मंदिर में ही माता पार्वती के मंदिर में भी लोगों की भीड़ दर्शन के लिए उमड़ी। यहां की मान्यता है कि सच्चे मन से जो मां की उपासना करता है, उसकी सारी कामनाएं पूरी हो जाती हैं।

नवरात्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी ने दी नारी गरिमा और सम्मान से जुड़ी सौगात, पिंक टायलेट के साथ कैफे भी

संवाददाता–गोरखपुर। महिलाओं की गरिमा और सम्मान से जुड़ी बड़ी सहूलियत देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के पहले दिन सिविल लाइंस स्थित पार्क रोड पर पिंक बस टॉयलेट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के वाहनों, सीवेज सफाई की अत्याधुनिक मशीनों, बैंडीकोट रोबोट और विदेश से मंगाई गई डी–वॉटरिंग फीकल स्लज सेफ्टी मशीन को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उन्होंने नवरात्र दुर्गोत्सव के उपलक्ष्य में स्वच्छ पंडाल पोस्टर को विमोचन भी किया और लोगों को जीरो वेस्ट त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया। पिंक बस टॉयलेट का फीता काटकर लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंदर जाकर इसका अवलोकन–निरीक्षण किया और इसमें बनाई गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने पिंक बस टॉयलेट के पिछले हिस्से में बने कैफे का भी उद्घाटन किया और इस कैफे का संचालन करने वाली महिलाओं से बातचीत कर उनका उत्साह बढ़ाया। नगर निगम की तरफ से सिविल लाइंस क्षेत्र में इस पिंक बस टॉयलेट की शुरुआत होने के साथ इसकी संख्या दो हो गई है।

इसके पहले एक पिंक टॉयलेट रामगढ़ताल रोड पर बुद्धा गेट के आगे पहले से ही क्रियाशील है।

पिंक बस टॉयलेट को कबाड़ घोषित रोडवेज की बसों को मोडिफाइड करके बनाया गया है। इसमें इंडियन और वेस्टर्न टॉयलेट, वॉश बेसिन, आदि की सुविधा है। इसमें प्रसाधन संबंधी सुविधाओं के साथ कैफे की भी सुविधा दी गई है। पिंक बस टॉयलेट में बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए सोलर सिस्टम भी इंस्टाल किया गया है। वाहन के पिछले हिस्से में कैफे बनाया गया है। कैफे के संचालन से जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) के माध्यम से महिलाओं को रोजगार से भी जोड़ा गया है। कैफे में खानपान के कई तरह सामान मिलेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सफाई वाहनों हरी झंडी दिखाए जाने के साथ ही महानगर की सफाई व्यवस्था अब और भी सुदृढ़ हो जाएगी। सीएम योगी ने आज नगर निगम के सफाई बेड़े के शामिल डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन की 12 छोटी गाड़ियों, दो बड़ी गाड़ियों को रवाना किया।

साथ ही उन्होंने करीब छह करोड़ रुपये की लागत वाली डी–वॉटरिंग फीकल स्लज सेफ्टी मशीन को भी हरी झंड़ी दिखाई। इसकी मदद से तंग गलियों में सेफ्टी टैंक की सफाई कर मशीन में ही डी–वॉटरिंग कर स्लज और सीवेज के जल को अलग कर देता है। उसके बाद जल को शोधित कर सीधे ही नदी या तालाब में डाला जा सकता है। मुख्यमंत्री ने करीब 50 लाख रुपये की लागत वाले बैंडीकोट रोबोट का भी लोकार्पण किया। मेनहोल दूर से संचालित रोबोट से सफाई मजदूरों को खतरनाक और तंग सीवर पाइपों में प्रवेश करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, नगर आयुक्त गौरव सोगरवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, पार्षद अजय राय समेत कई पार्षद प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सत्य को ग्रहण करने और असत्य को छोड़ने का संदेश देगा आर्य समाज वार्षिकोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी 5 अक्तूबर से 8 अक्तूबर तक सुरतीहट्टा बस्ती में आयोजित आर्य समाज नई बाजार बस्ती के 51वें वार्षिकोत्सव की तैयारी भव्य रूप से चल रही है। जिसमें प्रभात फेरी, जन जागरण और दिनेश आर्य द्वारा आर्य वीर दल का प्रशिक्षण का कार्य निरंतर 20 सितंबर से जारी है। इसी कड़ी में आर्य समाज गांधी नगर बस्ती में जन जागरण का कार्यक्रम विनोद कुमार उपाध्याय अध्यक्ष प्रेस क्लब बस्ती के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें आचार्य सुरेश जोशी द्वारा वैदिक यज्ञ कराते हुए यजमानों को वैदिक धर्म का महत्व बताया गया।

उन्होंने कहा की आर्य समाज अविद्या के नाश और विद्या की वृद्धि के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। जिसके लिए वह जन–जन तक अपनी आवाज को पहुंचा रहा है ताकि समाज में वैदिक धर्म स्वीकार्यता बढ़ सके। जिला सभा के प्रधान ओमप्रकाश आर्य ने बताया कि आर्य समाज का यह वार्षिक उत्सव सत्य को ग्रहण करने और असत्य को छोड़ने का संदेश देगा। उन्होंने लोगों से सपरिवार महोत्सव में सम्मिलित होने का अनुरोध किया। पंडिता रुक्मणी ने सुरीले और प्रेरक भजनों से सबका मार्गदर्शन किया। आभार व्यक्त करते हुए विनोद उपाध्याय ने कहा कि आर्य समाज सबसे प्रीतिपूर्वक धर्मानुसार यथायोग्य बर्ताव करने की प्रेरणा देता है। अन्याय न करना और न ही सहने का संदेश देता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुरलीधर भारती, बृजकिशोर आर्य, वेद कुमार आर्य, सत्येन्द्र वर्मा, राधेश्याम सिंह, लवकुश सिंह, संतोष कुमार श्रीवास्तव, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, प्रीति उपाध्याय,ओंकार आर्य, राजकुमार, राजदेव, किरोड़ीचंद विसनानी, राजेन्द्र जायसवाल, दिलीप कसौधन, महिमा, प्रिया, मिथलेश, साक्षी, राधेश्याम आर्य, देवव्रत आर्य सहित अनेक लोग सम्मिलित रहे।

नवरात्र के पहले दिन गोरखपुर पहुंचे सीएम योगी, बुढ़िया माई के दरबार में लगाई हाजिरी

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने नवरात्र के पहले दिन आदिशक्ति मां भगवती की प्रतिनिधि स्वरूपा बुढ़िया माई के दरबार में हाजिरी लगाई। कुसम्ही जंगल स्थित बुढ़िया माई के मंदिर में उन्होंने विधिवत दर्शन–पूजन किया और माता से प्रदेशवासियों के कल्याण और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। इ

शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा, गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदिशक्ति मां भगवती की प्रतिनिधि स्वरूपा बुढ़िया माई के दरबार में हाजिरी लगाई। कुसम्ही जंगल स्थित बुढ़िया माई के मंदिर में उन्होंने विधिवत दर्शन–पूजन किया और माता से प्रदेशवासियों के कल्याण और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर और यहां स्थित कुंडध्तालाब में हुए सुंदरीकरण कार्यों का भी निरीक्षण लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार से लौटकर गोरखपुर एयरपोर्ट पर

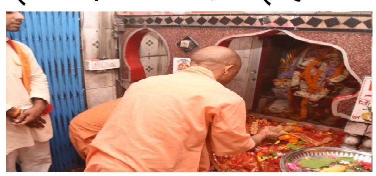

उतरते ही सीएम योगी का काफिला यहां से सबसे पहले कुसम्ही जंगल स्थित बुढ़िया माई मंदिर पहुंचा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर में बुढ़िया माई का दर्शन करने के बाद माई की प्रतिमा पर पुष्प आदि अर्पित कर विधिविधान से आराधना की। माई का पूजन करने और लोक कल्याण की मंगलकामना करने के बाद वह बाहर आए। उसके बाद मंदिर परिसर और यहां स्थित नैसर्गिक कुंडध्तालाब का अवलोकन करते हुए परिसर में कराए गए सुंदरीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने तालाब के सुंदरीकरण में शेष कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विधायक विपिन सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख आनंद शाही समेत कई लोग उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि घने जंगल में स्थित बुढ़िया माई का मंदिर पूर्वी उत्तर प्रदेश में लोक आस्था का बड़ा केंद्र है। लंबे समय तक उपेक्षित रहे इस मंदिर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर न केवल रोड कनेक्टिविटी से आच्छादित किया गया बल्कि परिसर का सुंदरीकरण कराकर श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई।

छात्र संघ बहाली के लिये भूख हड़ताल

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव कराए जाने की मांग को लेकर छात्र नेताओं ने गुरुवार को भूख हड़ताल शुरू कर दिया है। वे पिछले तीन दिनों से क्रमिक अनशन पर बैठे थे। भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों ने कहा कि चुनाव की घोषणा होने तक उनकी भूख हड़ताल जारी रहेगी। डीडीयू के प्रशासनिक भवन पर भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेताओं सतीश प्रजापति, सत्यम गोस्वामी, जतिन मिश्र और प्रतीक तिवारी ने कहा कि शहर के ही एक विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव संपन्न हुआ है। एम्स में भी छात्र संघ चुनाव की तैयारियां चल रही हैं लेकिन गोरखपुर विश्वविद्यालय में कई वर्षों से छात्र संघ चुनाव नहीं हुए। छात्रसंघ चुनाव को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन चुप्पी साधे हुए है। छात्रसंघ बहाली की मांग कर रहे छात्रों को बाहरी समर्थन भी खूब मिल रहा है। गुआक्टा के पूर्व महामंत्री प्रो धीरेन्द्र सिंह ने अनशन स्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया था। उन्होंने कहा था कि वर्तमान समय में छात्र संघ न होने से विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयी छात्रों के साथ अन्याय एवं शोषण हो रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की आवाज को दबाना चाहता है। छात्रों की समस्याओं का कोई मंच न होने के कारण वे दर–दर की ठोकर खा रहे हैं। प्रवेश से लेकर परीक्षा और परिणामों तक में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

कार सवार युवक पर बदमाशों ने की फायरिंग

संवाददाता–गोरखपुर। रामगढ़ताल थानाक्षेत्र के रामगढ़ताल इलाके में बृहस्पतिवार दोपहर में कार सवार युवक पर बदमाशों ने गोली से फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली कार के दरवाजे पर लगी। कार सवार ने किसी तरह खुद को संभालते हुए गाड़ी भगाई। गोली चलाने वाले हमलाकर मौके से फरार हो गए।

बांसगांव के विपिन कन्नौजिया पेशे से रील क्रिएटर का काम करते हैं। इनके पेज पर इनके काफी फॉलोवर हैं। दोपहर में रामगढ़ इलाके में मनबढ़ों ने अचानक इनकी गाड़ी पर हमला कर दिया। विपिन ने हमले के पीछे पांच से सात लोगों का नाम पुलिस को बताया है। सूत्र बताते हैं कि अभी दो दिन पहले भी विपिन के साथ ही मनबढ़ों ने रामगढ़ताल इलाके में मारपीट की थी। इस मारपीट में भी आरोपियों ने विपिन की धमकी दी थी। पुलिस ने गोली चलाने वालों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर शुरू कर दी है। दो लोगों की तलाश में पुलिस ने थोड़ी देर पर पहले छापा मारा था। लेकिन, फरार हो गए।

युवाओं की एक लंबी गोल शाम को समय नौका विहार इलाके के इस क्षेत्र में घूमती है। यहां लोगों की आवाजाही भी खूब होती है। इस सड़क पर रील बनाने के साथ युवाओं की गोलबंदी भी जुटती है। इसी गोलबंदी में ही ये विवाद का मामला सामने आ रहा है।

सीएम योगी ने राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट का किया उद्घाटन, दी बधाई

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन सिविल लाइंस क्षेत्र में राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पूरे प्रतिष्ठान का अवलोकन किया और प्रतिष्ठान संचालकों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि यहां लोगों को उचित कीमतों पर अच्छी गुणवत्ता के हर प्रकार के टेक्सटाइल उत्पाद उपलब्ध होंगे। गुरुवार शाम मुख्यमंत्री ने पहले फीता काटकर और प्रतिष्ठान में नियत पूजन स्थल पर पुष्प अर्पण कर राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने भूतल समेत प्रतिष्ठान के सभी चार तलों पर बनाए गए रिटेल काउंटरों अवलोकन और निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते हुए प्रतिष्ठान के निदेशक देवीदयाल अग्रवाल ने उन्हें बताया कि इस रिटेल प्रतिष्ठान में हर उम्र वर्ग के लोगों के लिए सभी प्रकार के वस्त्रों की विस्तृत श्रृंखला थोक दर पर उपलब्ध है। उन्होंने प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ कर व्यापार के लिए बेहतरीन माहौल बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया और कहा कि कारोबार बढ़ने से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी मिल रहा है।

इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट के निदेशक दीनदयाल अग्रवाल, सुपरिचित उद्यमी चंद्र प्रकाश अग्रवाल, श्याम जी गोयल, अशोक खेमका, राजकुमार खेतान, गीता प्रेस के उत्पाद प्रबंधक लालमणि तिवारी, राधेश्याम अग्रवाल, नवीन, निकुंज, हरि अग्रवाल, रचित अग्रवाल, पार्थ अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0– 858/2024
धारा 48 (1)
अदालत– श्रीमान उप संचालक चकबन्दी महोदय बस्ती जिला बस्ती

गंगा प्रसाद
बनाम
श्रीमती सुनरा देवी आदि

1. श्रीमती सुनरा देवी पत्नी राम किशोर साकिन मुसहा तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. जगदम्बा प्रसाद पुत्र राम किशोर 3. गंगाराम पुत्र सुन्दरलाल साकिन ग्राम परसरामपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 4. राममणि 5. जगराम पुत्रगण सन्तराम साकिन मौजा बेदीपुर ककरहिया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. सूरज लाल पटवा पुत्र रामसुन्दर साकिन चफवा बाजार तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 14–10–2024

निगरानी बनराजी आदेश अदालत ब0अ0च0 मुकाम बस्ती मयरिखा 18 महीना 01 सन् 2024 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 119/2023

राम सहाय
बनाम
राम निधि पाण्डेय आदि

1/1 राम शिरोमणि उम्र 54 साल 1/2 राम प्रवेश उम्र 50 साल पुत्रगण रामनिधि पाण्डेय 1/3 कृष्णा देवी उम्र 52 साल पुत्री रामनिधि पाण्डेय साकिन मल्हवारे तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 1/4 विगुल देवी उम्र 48 साल पुत्री रामनिधि पाण्डेय पत्नी अंगद दूबे साकिन मेहनौना तप्पा जगन्नाथपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 1/5 दर्शना देवी उम्र लगभग 45 साल पुत्री रामनिधि पत्नी विजय पाण्डेय साकिन सुजिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. आज्ञाराम उम्र लगभग 60 साल 3. राम नरायन उम्र लगभग 55 साल पुत्रगण राम दुलारे साकिनान मसानडीह तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

4. शिवसहाय पाण्डेय उम्र लगभग 56 साल पुत्र रामहित पाण्डेय साकिन मसानडीह तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

4/1 यशवन्त उम्र 35 साल 4/2 कौशल उम्र 31 साल पुत्रगण शिव सहाय पाण्डेय 4/3 झिनकी उम्र 29 साल 4/4 संगीता उम्र 27 साल पुत्रीगण शिव सहाय पाण्डेय साकिन मसानडीह तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–11–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 04 माह 11 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 03 माह 10 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

परिशिष्ट A–संख्यांक 3
स्वयं उपसंजात होने के लिए समन
(आदेश 5 का नियम 3)
प्रकीर्ण सिविल अपील सं0–30/2023
अदालत– श्रीमान षष्टम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बस्ती जिला–बस्ती

गीता देवी
बनाम
पूनम गौड

विष्णु प्रसाद पुत्र बजरंगलाल साकिन असनहरा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 14–10–2024

गीता ने आपके विरूद्ध के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 04–10–2024 को 10:30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए संमन किया जाता है। आपको निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन उन सब दस्तावेजो को पेशकरें जिन पर अपनी प्रतिरक्षा के लिए निर्भर रहना चाहते है।

आपको सूचित किया जाता है कि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका अवधारण आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

षष्टम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बस्ती जिला–बस्ती

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 198/2024
रमेश कुमार सिंह–सायल
1 रमेश कुमार सिंह उम्र लगभग 51 वर्ष पुत्र देवनरायन सिंह साकिन सिरसिया तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–11–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 04–11–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 550/2021
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अजीतमणि त्रिपाठी
बनाम
राजेशमणि त्रिपाठी आदि

1. राजेशमणि त्रिपाठी पुत्र दिनेश मणि त्रिपाठी 2. सियाराममणि त्रिपाठी 3. मंगलेशमणि त्रिपाठी पुत्रगण रमेशमणि त्रिपाठी 4. मिथिलेशमणि त्रिपाठी 5. रूद्रनाथ त्रिपाठी पुत्रगण राम प्रताप त्रिपाठी 6. शैलेशमणि त्रिपाठी 7. जितेन्द्रमणि त्रिपाठी 8. सत्येन्द्रमणि त्रिपाठी पुत्रगण वशिष्ठमणि त्रिपाठी साकिनान मौजा कैथौरा तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती पो0 बनकटी

तारीख पेशी 05–12–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com